शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 249 | गुवाहाटी | सोमवार, 8 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आधुनिक व समर्थ नया भारत अब खुद हथियार बना रहा : राजनाथ सिंह — पेज 2
सीएए का विरोध करने वाली कांग्रेस को वोट देने की हिरेन गोहाई की गुहार — पेज 3
इंडी गठबंधन मतलब भ्रष्टाचारियों का ठिकाना : नरेंद्र मोदी — पेज 5
टी20 विश्वकप से पहले फिटनेस हासिल करने सेना के सात अभ्यास कर ... — पेज 7

भाजपा के पक्ष में लहर नहीं सुनामी है : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में लहर नहीं, बल्कि सुनामी है। इस तरह की सुनामी चुनाव में पहले कभी कहीं नहीं देखी गई थी। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के संकल्प के साथ आज असम की जनता सड़क पर उतर चुकी है। मुख्यमंत्री रविवार को काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार कामाख्या प्रसाद तासा के समर्थन में एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि *आको एबार मोदी सरकार* गीत पर जिस तरह से कार्यक्रम के दौरान हजारों लोग नाच रहे थे, ऐसा उत्साह पहले कभी नहीं देखा गया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक महिलाएं भी नाच रही थीं। सभी का लक्ष्य नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गारंटी का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इसकी कहीं सरकार ही नहीं है। पुराने नोट को लेकर बाजार में ले जाने से कोई लाभ नहीं होता है, यह असम की जनता बेहतर समझती है। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस का शासनकाल देखा है। भाजपा के साथ कांग्रेस का कहीं कोई तुलना ही नहीं है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के एक सवाल पर कहा कि चुनाव प्रचार के क्रम में कांग्रेस उम्मीदवार चाहे जो बोलना हो बोल लें, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि असम में किसकी सरकार है। कानून के दायरे से अधिक बात करने की किसी को छूट नहीं है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के अन्य कई सवालों के भी सीधे-सीधे उत्तर दिए।

डाक मतपत्र में गड़बड़ी : तिनसुकिया में चुनाव अधिकारी निलंबित

तिनसुकिया। डाक मतपत्रों के वितरण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के बाद तिनसुकिया जिले में चुनाव अधिकारियों को निलंबन कर दिया गया। यह घटना 6 अप्रैल, 2024 को तिनसुकिया जिले के लखीमपुर एचपीसी के 82-डूमडूमा विधानसभा क्षेत्र में अनुपस्थित मतदाताओं (एवी-एससी और एवी-पीडी) द्वारा घरेलू मतदान प्रक्रिया शुरू होने के दौरान हुई। घरेलू मतदान प्रक्रिया के लिए पार्थ प्रतिम भट्टाचार्जी, विष्णुब्रत हजारिका और मोनज्योति चेतिया की एक टीम को सहायक कर्मियों के साथ तैनात किया गया था। हालांकि, उनके लौटने पर यह

पता चला कि जब उन्होंने 14 मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र मतदान प्रक्रिया पूरी कर ली थी, तो 16 काउंटरफॉइल का उपयोग किया गया था। इसके अलावा, एक गंभीर चूक तब हुई जब टीम ने क्रमशः 88 और 86 वर्ष की आयु के दो मतदाताओं को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के कारण दो बार डाक मतपत्र जारी किए। इसके परिणामस्वरूप दोहरा मतदान हुआ, जो चुनाव प्रोटोकॉल का स्पष्ट उल्लंघन है। इन गंभीर उल्लंघनों के जवाब में, जिला निर्वाचन अधिकारी ने घटना में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

संगठित सज्जनशक्ति के बल पर सामाजिक परिवर्तन का मार्ग होगा प्रशस्त : भागवत

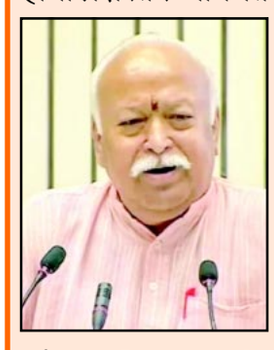

वडोदरा (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव का जागरण और अपने नागरिक कर्तव्यबोध के आधार पर समाज की सज्जनशक्ति संगठित होकर काम करे तो सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। डॉ. भागवत ने दो दिवसीय गुजरात प्रवास के अंतिम दिन रविवार को वडोदरा में आयोजित प्रबुद्धजन गोष्ठी में कहा कि समाज में व्याप्त जाति-पाति के भेद को दूर करने के लिए सज्जन शक्ति का नेटवर्क बनाने जैसे विशेष प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी ने कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति और परंपरा के वाहक हमलोग हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

असम कांग्रेस ने *गारंटी कार्ड* का वितरण शुरू किया

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई ने रविवार को गुवाहाटी से अपने *गारंटी कार्ड* का घर-घर वितरण शुरू किया। असम के प्रभारी कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत की और पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्ड बांटने के लिए शहर के पंजाबारी इलाके में घरों का दौरा किया। इस मौके पर लोकसभा सांसद अब्दुल खालेक, गुवाहाटी सीट से पार्टी की उम्मीदवार मीरा बारठाकुर गोस्वामी, कांग्रेस प्रवक्ता महिमा सिंह और कई विधायक भी मौजूद थे।

असम : पहले चरण के मतदान में सोनोवाल सबसे उम्रदराज प्रतियोगियों में से एक

गुवाहाटी। डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल उन आठ वरिष्ठ नागरिकों में शामिल हैं जो असम में 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के लिए मैदान में हैं। 62 वर्षीय राज्यसभा सांसद बुजुर्ग प्रतियोगियों में से हैं। वहीं उनकी पार्टी के सहयोगी और विधायक रंजीत दत्त, जो शोणितपुर से चुनाव लड़ रहे हैं, 67 साल के सबसे उम्रदराज हैं। उनके बाद लखीमपुर के 65 वर्षीय कांग्रेस उम्मीदवार उदय शंकर हजारिका हैं। मैदान में सबसे कम उम्र के उम्मीदवार 27

वर्षीय गोबिन विश्वकर्मा हैं, जो लखीमपुर से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के काजीरंगा के उम्मीदवार सालेह अहमद मजूमदार 29 साल के दूसरे सबसे कम उम्र के उम्मीदवार हैं। कुल 15 उम्मीदवार अपने चालीसवें वर्ष में हैं, जिनमें 41 वर्षीय कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई, जो जोरहाट से चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा के राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा (49), जो काजीरंगा से चुनाव लड़ रहे हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ईर्ष्या करने वाले दो समान व्यक्तियों में विरोध पैदा कर देना चाहिए।

– आचार्य चाणक्य

पीएम के तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थक ने मां काली को अंगुली काटकर चढ़ाई

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए प्रार्थना करते हुए अंगुली काट कर मां काली को चढ़ा दी। यह मामला शनिवार को सामने आया। अरुण वर्नेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े

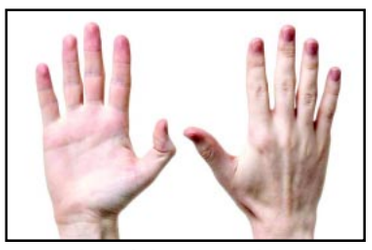

समर्थक हैं। उन्होंने अपने आवास पर पीएम मोदी का मंदिर भी बनवाया है। अंगुली काटने के बाद उन्होंने घर की दीवारों पर खून से लिखा मां काली, मोदी बाबा की रक्षा करो। पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। मीडिया से बात करते हुए अरुण वर्नेकर ने कहा कि पीएम मोदी के केंद्र में आने के बाद से चीन और पाकिस्तान के कारण होने वाली -शेष पृष्ठ दो पर

शिलांग में कांग्रेस के सामने गढ़ बचाने की चुनौती, तुरा में तीन सांग्माओं में जंग

शिलांग। पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय में लोकसभा की दो सीटें (शिलांग और तुरा) हैं। मेघालय की दोनों ही सीटें कांग्रेस की परंपरागत सीट रही हैं। तुरा सीट की बात करें तो चाहे कांग्रेस के समय में हो या फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस के गठन के बाद। यह सीट सांग्मा परिवार के पास ही रही। यहां से लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष पीए सांग्मा सांसद रहे

हैं। अब इस सीट पर नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की अगाथा सांग्मा सांसद हैं। इस बार मेघालय लोकसभा चुनाव की सबसे खासियत बात यह है कि एनपीपी ने दोनों ही जगह से महिला उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। इन दोनों लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी-सीएए हमारे लिए नया मुद्दा नहीं : अतुल बोरा

गोलाघाट। लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद से ही तमाम राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। भाजपा लगातार पूरे देश में ताबड़तोड़ रैलियां आयोजित कर रही है। वहीं विपक्षी गठबंधन *इंडिया* लगातार भाजपा पर लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगा रही है। इस बीच, चुनाव लेकर असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष और असम के मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि चुनाव बेहद करीब है। हम राज्यभर में प्रचार कर रहे हैं। हम दो सीटों बरपेटा और धुबड़ी में चुनाव लड़ रहे है, जबकि हमारी सहयोगी पार्टी भाजपा ज्यादातर सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कुल मिलाकर पूरे प्रदेश में एनडीए के पक्ष में माहौल है। हमें उम्मीद -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गृहमंत्री 9 को और पीएम 17 को आएंगे असम

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री 9 अप्रैल को असम आएंगे। वह राज्य के लखीमपुर, शोणितपुर और डिब्रूगढ़ जिलों में चुनाव प्रचार करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अप्रैल को चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए असम आ रहे हैं। राज्य के पर्यटन, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण -शेष पृष्ठ दो पर

चार करोड़ कैश बरामद भाजपा कार्यकर्ता समेत तीन गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई के तांबरम रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में कैश बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ता सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। ये लोग छह बैगों में चार करोड़ रुपए ले जाने की फिराक में थे और इस पैसे का प्रयोग लोकसभा चुनावों में किया जाना था। पुलिस ने जिन तीन लोगों को हिरासत में लिया है, उनमें भाजपा नेता और एक निजी होटल के प्रबंधक सतीश, उसका भाई -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में कानून व्यवस्था खत्म, केंद्रीय एजेंसियों पर हमला करते हैं तृणमूल के लोग : मोदी

कोलकाता (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए तीन दिनों में दूसरी बार पश्चिम बंगाल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने जलपाईगुड़ी में आयोजित जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कश्मीर को लेकर दिए बयान का भी जवाब दिया। मोदी ने कहा कि कल कांग्रेस अध्यक्ष ने

कहा कि मोदी दूसरे राज्यों में कश्मीर की बात क्यों करते हैं। उनके लिए कश्मीर कुछ नहीं है लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के लिए कश्मीर मां भारती के मस्तक समान है। प्रधानमंत्री मोदी बिहार के नवादा में चुनावी रैली के बाद दोपहर करीब 2:30 बजे पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने अपने करीब 30 मिनट के संबोधन में सत्तारूढ़ तृणमूल को कानून और संविधान को -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम विजयन ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर उठाया सवाल

अलपुझा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि माकपा ने अपने घोषणापत्र में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को निरस्त करने का वादा किया है, लेकिन कांग्रेस अपने घोषणापत्र में इस मुद्दे पर चुप्पी साध गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जब केंद्र ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किया तो कांग्रेस विरोध करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की खातिर कांग्रेस अपने मूल्यों से समझौता कर लेती है। अलपुझा में एक -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में हमले के बाद एनआईए टीम पर ही हो गई एफआईआर

पूर्व मेदिनीपुर। बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर के भूपतिनगर में एक विस्फोट मामले की जांच के दौरान एनआईए टीम पर हमले के एक दिन बाद पुलिस ने एनआईए टीम पर ही एफआईआर दर्ज की है। दरअसल, पुलिस ने एक महिला की

शिकायत पर एनआईए टीम और सीआरपीएफ अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनआईए अधिकारियों ने देर रात उनके घर के दरवाजे तोड़कर उनके साथ छेड़छाड़ की। भूपतिनगर में कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस बीच एनआईए ने भी हमलावरों के खिलाफ भूपतिनगर थाने में मामला दर्ज कर लिया है। एसपी सौम्यदीप भट्टाचार्य ने कहा कि एनआईए की एक टीम भूपतिनगर पुलिस स्टेशन पहुंची थी और हमने उनके साथ पूरा सहयोग किया। इससे पहले, एनआईए की एक और टीम आई थी और उनके साथ -शेष पृष्ठ दो पर

अगर कांग्रेस को मनमुताबिक चुनाव परिणाम नहीं मिले, तो राहुल को हट जाना चाहिए : पीके

नई दिल्ली। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि अगर कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले तो राहुल गांधी को कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए। पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए अपनी पार्टी चला रहे हैं और पिछले 10 वर्षों में काम करने में असमर्थता के बावजूद वह न तो अलग हट सकते हैं और न ही किसी और को कांग्रेस का नेतृत्व करने दे सकते हैं। किशोर ने कहा कि मेरे अनुसार यह भी अलोकतांत्रिक है। किशोर ने कहा कि जब आप पिछले 10 साल से एक ही काम कर रहे हैं और उसमें कोई सफलता नहीं मिली है, तो ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है... आपको इसे किसी और को पांच साल के लिए करने देना चाहिए। अपने पति राजीव गांधी की हत्या के बाद राजनीति से दूर रहने और 1991 में पीवी नरसिम्हा राव को कार्यभार संभालने के सोनिया गांधी के फैसले को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आपकी मां ने भी ऐसा ही किया था। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में अच्छे नेताओं की एक प्रमुख विशेषता यह है कि वे

जानते हैं कि उनके पास क्या कमी है और सक्रिय रूप से उन कमियों को भरने के लिए तत्पर रहते हैं। किशोर ने कहा कि राहुल गांधी को ऐसा लगता है कि वह सब कुछ जानते हैं। अगर आप मदद की जरूरत को नहीं पहचानते तो कोई भी आपकी मदद नहीं कर सकता। उनका मानना है कि उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो उन्हें जो सही लगता है उसे क्रियान्वित कर सके। यह संभव नहीं है। 2019 के चुनावों में पार्टी की हार के बाद कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के गांधी के फैसले का -शेष पृष्ठ दो पर

मियामी में फायरिंग, दो लोगों की मौत, सात जख्मी

मियामी। अमेरिका के मियामी में शनिवार तड़के एक बार में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य जख्मी हो गए। जांचकर्ताओं ने बताया कि फ्लोरिडा के

डोराल के मार्टिनी बार में तड़के करीब साढ़े तीन बजे कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो गया। *मियामी-डाडे पुलिस डिटेक्टिव* अल्वारो जबलेटा ने कहा कि जब एक सुरक्षाकर्मी ने दखल दिया तो एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकाली और सुरक्षाकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। वहां सुरक्षा में तैनात दो पुलिस अधिकारियों ने जवाबी गोलीबारी की जिसमें एक बंदूकधारी मारा गया। डोराल के पुलिस प्रमुख एडविन लोपेज ने पत्रकारों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आधुनिक व समर्थ नया भारत अब खुद हथियार बना रहा : राजनाथ सिंह

बीकानेर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस के राज में देश को विदेशों से हथियार खरीदने पड़ते थे लेकिन ये नया भारत है, जहां देश खुद हथियार बना रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रविवार को लोकसभा क्षेत्र बीकानेर के विधानसभा क्षेत्र श्रीकोलायत में भाजपा उम्मीदवार अर्जुनराम मेघवाल के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ ने कहा कि राजस्थान की पहचान अब घड़े पर घड़ा रखकर जातीं महिलाओं से नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भारत बहुत बदल गया है। हम पहले हथियार खरीदते थे और अब हथियार खुद बनाते हैं। हम अब सर्जिकल स्ट्राइक करते हैं, एयर स्ट्राइक करते हैं तो इस पर कांग्रेस सवाल खड़े करती है। यह आधुनिक और समर्थ भारत है, जिसे दुनिया देख रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा जनता को जनार्दन मानती है लेकिन कांग्रेस एक परिवार को जनार्दन मानती है। कांग्रेस और भाजपा में यह बड़ा अंतर है। गरीब परिवारों को मकान देने की योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों को पक्के मकान मिल गए हैं, जो रह गए हैं, उन्हें जल्द मिलेगा। भीड़ को देखकर गदगद राजनाथ सिंह ने कहा कि आज ज्यादा बोलने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है। इतनी संख्या में लोगों को देखकर साफ है कि अर्जुनराम जीत रहे हैं। पिछली बार और इस बार की सभा में अंतर है। इस बार देवी सिंह भाटी को मंच पर देखना सुखद है। इस अवसर पर भाजपा उम्मीदवार अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान के खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, देवी सिंह भाटी, विधायक सिद्धीकुमारी, जेठानंद व्यास, अंशुमान सिंह, मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित, जालम सिंह भाटी सहित अनेक भाजपा नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे।

चीनी नागरिकों पर हमला : चार वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक हालिया आत्मघाती हमले की जांच कर रही समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद, चार वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की लापरवाही को लेकर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिछले हफ्ते एक आत्मघाती हमलावर ने अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बेशम इलाके में चीनी इंजीनियर के वाहन को निशाना बनाया था। उन्हें एक बस के जरिये इसी प्रांत के कोहिस्तान प्रांत में दासु जलविद्युत संयंत्र के निर्माण स्थल ले जाया जा रहा था। हमले में पांच चीनी नागरिक और उनका पाकिस्तान चालक मारा गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि प्रधानमंत्री शरीफ ने खैबर पख्तूनख्वा के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई, 26 मार्च को हुए हमले की जांच के लिए गठित समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने और इसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल में चूक का जिक्र किए जाने के बाद की गई। जियो न्यूज ने तरार को उद्धृत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हजारा डिवीजन के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, ऊपरी कोहिस्तान और निचले कोहिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी, दासू जलविद्युत परियोजना के सुरक्षा निदेशक और खैबर पख्तूनख्वा की विशेष सुरक्षा इकाई के कमांडेंट के खिलाफ 15 दिनों के अंदर कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज खुद चीनी परियोजनाओं और चीन के इंजीनियर की सुरक्षा की निगरानी कर रहे हैं। इस बीच, चीन ने भी हमले को लेकर चिंता जताई है और पाकिस्तान में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे अपने नागरिकों की सुरक्षा की मांग की है।

मेघालय में एक करोड़ की हेरोइन व 45 लाख नकद बरामद

शिलांग (हिंस)। मेघालय पुलिस ने एक करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन तथा चार लाख रुपए नकद बरामद करने के साथ ही चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। मेघालय के पुलिस महानिदेशक डॉक्टर एलआर बिश्नोई ने रविवार को बताया कि शिलांग में रात भर चली कार्रवाई में मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। इस दौरान 4 तस्करों को पकड़ने में कामयाबी मिली। अभियान में एक करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन और 45 लाख रुपए नकद जब्त किए गए। डीजीपी ने बताया कीहेरोइन आपूर्ति करने वाले गिरोह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

जीनगर समाज : देवर भाभी में रंग तेरस पर खेली अनूठी कोड़ामार होली

भीलवाड़ा (हिंस)। मेवाड़ का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला भीलवाड़ा त्योहार मनाने के अपने अलग अंदाज के कारण पूरे राजस्थान में अपनी अलग पहचान रखता है। यहां की होली भी काफी खास है। भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर जीनगर समुदाय का होली खेलने का तरीका काफी अनोखा है। रंग तेरस पर कोड़ा मार होली खेली गई। सराफा बाजार बड़े मंदिर के पास जिले भर के जीनगर समाज के लोग एकत्रित होते हैं और कोड़ा मार होली का भरपूर आनंद लेते हैं। इस होली को लेकर पुलिस महकमे की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए। इसमें पुलिस का अतिरिक्तो बल सराफा बाजार में तैनात किया गया था और ड्रोन से व्यवस्था पर नजर भी रखी जा रही थी। भीलवाड़ा का जीनगर समाज ने रविवार को कोड़ामार होली खेली। होली के 13 दिन बाद रंग तेरस पर यहां समाज की ओर से होली खेलने का आयोजन किया। शहर के अलग-अलग इलाकों में रहने वाले जीनगर समाज के लोग रविवार सुबह ढोल-नगाड़ों के साथ गुलमंडी सर्राफा बाजार में पहुंचे और जमकर होली खेली। जीनगर समाज के अध्यक्ष कैलाश सांखला ने बताया समाज रंग तेरस पर कोड़ामार होली खेल रहा है।

मणिपुर पुलिस ने 250 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 250 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 178 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 218 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में उपवास

झालावाड़ (हिंस)। झालावाड़ शहर के शहीद मुकुट बिहारी मीणा परिसर में आप पार्टी की ओर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में एक दिवसीय धरना देकर सांकेतिक उपवास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में रविवार को शहीद स्मारक पर सांकेतिक उपवास रखकर विरोध दर्ज कराया गया। पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी बिना किसी करण के की गई है। प्रवर्तन निदेशालय का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि अभी तक मुख्यमंत्री केजरीवाल पर कोई दोष साबित नही हुआ है। इसके बावजूद उनको गिरफ्तार करना गलत है। इस गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में आप पार्टी कार्यकर्ताओं में रोष बना हुआ है। फिलहाल सांकेतिक उपवास का कार्यक्रम किया जा रहा है, इसके बाद पार्टी के निर्देश पर जो भी सूचना मिलेगी उसके अनुसार धरना प्रदर्शन किए जाएंगे। इस दौरान महावीर गोड़, आसिफ मोहम्मद, दीपेश सोनी, इमरान खान, हैदर अली, सुभाष गोड, अभिषेक सोनी, अभिषेक टेलर, जसमीत सिंह, रवि जोगी, बद्रीलाल सेन, शंकर सिंह, मयंक शर्मा, नारायण सिंह मौजूद रहे।

चीन में रमजान के दौरान उइगरों का उत्पीड़न, समूह प्रार्थना पर लगाया बैन

बीजिंग। चीन में मुसलमानों के पवित्र माह रमजान के दौरान उइगर मुस्लिमों का उत्पीड़न लगातार जारी है। चीनी अधिकारी शिनजियांग के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में ज्यादातर मुस्लिम उइगरों को उपवास, प्रार्थना और अगले सप्ताह समाप्त होने वाले मुस्लिम पवित्र महीने का पालन करने से रोकने के लिए त्योहारों की सामग्री की निगरानी कर रहे हैं। अतुश शहर में अधिकारियों ने रेडियो फ्री एशिया को बताया कि उन्होंने महीने के दौरान कला कार्यक्रम और बाहरी दावतें आयोजित कीं और मुफ्त भोजन वितरित किया। उन्होंने सूर्यास्त के समय शाम के समय जब मुस्लिम परिवार आम तौर पर इफ्तार में उपवास के बाद खाने के लिए इकट्ठा होते हैं, उस समय सांप्रदायिक बैठकें भी आयोजित कीं। उत्तर-पश्चिमी शहर गुलजा में पुलिस ने यह देखने के लिए सड़क पर गश्त और घरों का निरीक्षण किया कि क्या निवासी उपवास कर रहे हैं। उन्होंने निवासियों को एक साथ रात्रिभोज के लिए मिलने से रोकने के लिए सड़कों पर इकट्ठा होने पर भी प्रतिबंध लगा दिया। गुलजा के एक पुलिस अधिकारी ने आरएफए को बताया कि एक साथ इफ्तार करना और एक साथ प्रार्थना करना प्रतिबंधित है। हम उन्हें बताते हैं कि उपवास की अनुमति नहीं है, हम यह भी ध्यान देते हैं (देखने के लिए) कि क्या वे इफ्तार के दौरान अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहे हैं। क्षेत्रीय राजधानी उरुमकी में, एक यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा कि नामित अधिकारियों को टैक्सी चालकों की निगरानी करने का काम सौंपा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे महीने के दौरान उपवास या प्रार्थना नहीं कर रहे हैं। इस महीने शिनजियांग से आने वाले सोशल मीडिया वीडियो की झड़ी में उइगरों को चीनी गाने गाते हुए और ऊपर बीयर की बोतलें रखे हुए बाहरी टेबलों के आसपास इकट्ठा होते हुए दिखाया गया है। आरएफए स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं कर सका कि वीडियो कब लिए गए थे या किसने उन्हें शूट किया था, लेकिन उनका इरादा खाने, नृत्य और मनोरंजन को बढ़ावा देना था, प्रार्थना और उपवास नहीं। चीनी सेंसरशिप और शिनजियांग निवासियों पर पत्रकारों से बात करने पर लगाए गए गंभीर प्रतिबंधों के कारण, इन घटनाओं के बारे में जमीन पर उइगरों से स्पष्ट टिप्पणियां प्राप्त करना लगभग असंभव है। लेकिन चीन के बाहर उइगर समर्थकों और विशेषज्ञों का कहना है कि बीजिंग वर्षों से क्षेत्र में उइगर और अन्य तुर्क अल्पसंख्यकों को रमजान मनाने और सामान्य रूप से इस्लाम का पालन करने से प्रतिबंधित और हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है। चीनी अधिकारियों ने 2017 में झिंजियांग में मुसलमानों को रमजान के दौरान उपवास करने से प्रतिबंधित करना शुरू कर दिया, जब उन्होंने अपनी संस्कृति, भाषा और धर्म को कम करने के बड़े प्रयासों के बीच *पुनः शिक्षा* शिविरों में अनुमानित 1.7 मिलियन उइगरों को मनमाने ढंग से हिरासत में लेना शुरू कर दिया। 2021 और 2022 में प्रतिबंध में आंशिक रूप से ढील दी गई, जिससे 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को उपवास करने की अनुमति मिल गई, और पुलिस ने घरेलू तलाशी और सड़क गश्ती गतिविधियों की संख्या कम कर दी लेकिन 2023 में, अधिकारियों ने शिनजियांग में सभी मुसलमानों को उपवास न करने का आदेश दिया और यहां तक कि उपवास करने वालों की रिपोर्ट करने के लिए जासूसों का भी इस्तेमाल किया।

कृषि बाजार में लगी आग, आठ गाड़िया जली

धनबाद (हिंस)। धनबाद के बरवाअड्डा स्थित कृषि बाजार समिति परिसर में रविवार की दोपहर अचानक आग लग गई। इस आग की चपेट में आकर वहां खड़ी 8 गाड़िया जल कर खाक हो गई। सभी गाड़िया बरवाअड्डा थाना के द्वारा जब्त की गई थी। जैसे ही आग लगी कृषि बाजार समिति के लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

पृष्ठ एक का शेष

डाक मतपत्र में गड़बड़ी...

सभी कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करके त्वरित कार्रवाई की। नतीजतन सभी मतदान कर्मियों और माइक्रो-ऑब्जर्वर को तिनसुकिया चुनाव जिले में चल रहे लोक सभा आम चुनाव (लोकसभा चुनाव-2024) के लिए किसी भी चुनाव कर्तव्यों में भाग लेने से तुरंत रोक दिया गया है। जवाबदेही और गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए मोहम्मद जाबेद अरमान, एसीएस, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, लखीमपुर एचपीसी की देखरेख में एक मजिस्ट्रेट जांच शुरू की गई है। इस जांच का उद्देश्य घटना के विवरण की जांच करना और किसी अतिरिक्त चूक या अनियमितता का पता लगाना है। इसके अलावा, मतदान कर्मियों के प्रायोजक अधिकारियों, अर्थात् असम ग्रामीण विकास बैंक और तिनसुकिया पॉलिटेक्निक को उनके कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित लापरवाहीपूर्ण आचरण के बारे में विधिवत सूचित किया गया है। उनसे संबंधित कानूनों और दिशानिर्देशों के अनुसार इसमें शामिल कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करके उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। यह कदम तिनसुकिया जिले में चुनावी प्रक्रिया की अखंडता और निष्पक्षता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

संगठित सज्जनशक्ति के ...

समय के साथ समाज जीवन में आए दोषों के कारण पैदा होने वाली समस्याओं का समाधान भी समाज की सज्जन शक्ति के प्रयास में निहित है। गोष्ठी का आयोजन डॉ. हेडगेवार जन्मशताब्दी सेवा समिति (वडोदर) की ओर से किया गया। इस अवसर पर समाजजीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे।

असम : पहले चरण ...

डिब्रूगढ़ के लुरिनज्योति गोगोई असम जातीय परिषद (45) और आप के मनोज धनोवार (47) शामिल हैं। नौ उम्मीदवार पचास के पार हैं, जिनमें जोरहाट से मौजूदा सांसद 55 वर्षीय तपन गोगोई, लखीमपुर के सांसद प्रदान बरुआ (58) और शोणितपुर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रेम लाल गंजू (53) शामिल हैं। लखीमपुर से चुनाव लड़ रहे निर्दलीय उम्मीदवार बिक्रम रामशियारी और देबो नाथ पैत, दोनों की उम्र क्रमशः 32 और 33 वर्ष है। मैदान में चार महिला उम्मीदवारों में सबसे बड़ी वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल की 53 वर्षीय अनिमा डेका गुप्ता हैं, उनके बाद 43 वर्षीय स्वतंत्र प्रतियोगी दिलवारा बेगम चौधरी और 42 वर्षीय रोजलिना तिर्की हैं, जो काजीरंगा निर्वाचन क्षेत्र से हैं। राज्य में 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान में काजीरंगा, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शोणितपुर और लखीमपुर सीटों पर कुल 35 उम्मीदवार मैदान में हैं।

पीएम के तीसरे कार्यकाल...

परेशानियां खत्म हो गई हैं। पहले कश्मीर से आतंकवादी गतिविधियों और सैनिकों की मौत की खबरें आती थीं। अब क्षेत्र शांतिपूर्ण है। देश के विकास के लिए एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जरूरत है। वर्नेकर पहले मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में काम करते थे। वर्तमान में वह कारवार शहर में रहते हैं और अपनी वृद्ध मां की देखभाल करते हैं। वह अविवाहित हैं। इससे पहले 2019 के आम चुनाव के दौरान भी उन्होंने अपनी अंगुली काटने की कोशिश की थी लेकिन सफल नहीं हो पाए थे।

शिलांग में कांग्रेस ...

मेघालय की दूसरी सीट है, शिलांग। यह सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है। शिलांग सीट कांग्रेस का गढ़ रहा है। 1998 से कांग्रेस ने यहां पर कभी हार का सामना नहीं किया है। फिलहाल यहां से कांग्रेस के विंसेंट पाला सांसद हैं। ये दोनों ही सीटें आरक्षित हैं। उल्लेखनीय है कि इस बार भाजपा ने मेघालय में अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। भाजपा ने दोनों ही सीटों पर एनडीए गठबंधन के सहयोगी एनपीपी को दे दी है। शिलांग सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है। यहां पर कांग्रेस का ही सांसद रहा है। 1998 से कांग्रेस इस सीट पर कभी हारी नहीं है। 2009, 2014 और 2019 से यहां से कांग्रेस के विंसेंट पाला सांसद हैं। पिछले तीन बार से लगातार शिलांग सीट से सांसद रहे विंसेंट पाला को चुनौती देने के लिए इस बार एनपीपी ने मेघालय सरकार में कैबिनेट मंत्री अम्पारीन लिंग्दोह को मैदान में उतारा है। उल्लेखनीय है कि लिंग्दोह के स्व. पिता पीटर जी मार्बानियांग 1989 से 1996 तक लोकसभा सांसद रहे हैं। इस बार पाला और लिंग्दोह में कड़ी टक्कर की देखी जा रही है। देखना यह होगा कि पाला अपना गढ़ बचा पाते हैं या फिर लिंग्दोह पहली बार लोकसभा की दहलीज पर कदम रखेंगी। इस बार तुरा में तीन सांग्माओं में रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा। यहां से वर्तमान में एनपीपी की अगाथा सांग्मा सांसद हैं। अगाथा सांग्मा पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पीए सांग्मा की बेटी और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा की बहन हैं। 1991 से तुरा लोकसभा क्षेत्र पर सांग्मा परिवार का कब्जा रहा है। टीएमसी ने मेघालय के पूर्व सीएम मुकुल सांग्मा के भाई जेनिथ सांग्मा को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के कैंडिडेट सालेंग ए सांग्मा ने तुरा से ताल ठोक रहे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जनता किस सांग्मा को लोकसभा पहुंचाएगी।

एनआरसी-सीएए हमारे ...

है कि राज्य की सभी 14 सीटों पर हम जीत दर्ज कर रहे हैं। कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए अतुल बोरा ने कहा कि अब आप अतीत के बारे में भूल जाएं, लोग कांग्रेस से क्या उम्मीद कर सकते हैं। आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में थी। असमय में 2001 से 2016 तक उन्हीं की सरकार रही, लेकिन उन्होंने राज्य के किया क्या। आप विकास के मामले में कांग्रेस के 10 वर्षों के कार्यकाल और वर्तमान भाजपा के सरकार की तुलना नहीं कर सकते हैं। लोग विकास और प्रगति चाहते है इसलिए लोग एनडीए के पक्ष में मतदान करेंगे। यह साफ है कि एनडीए फिर से सरकार बनाएगी। कांग्रेस के लोकसभा चुनाव घोषणा-पत्र पर असम के मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि कोई भी कांग्रेस पर भरोसा कर ही नहीं सकता है। जनता जानती है कि उन्होंने सिर्फ चुनाव वादे किए हैं और उसके बाद वे इसे भूल जाते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिपेक्ष्य में कांग्रेस बहुत कमजोर है। 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सत्ता में आई और उसके बाद पूरी तरह राजनीतिक समीकरण बदल गए। एनआरसी और सीएए के मुद्दे पर असम गण परिषद (अगप) और असम के मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि सीएए कोई नया मुद्दा नहीं है और एनआरसी वैसे भी असम के लोगों के लिए नया नहीं है। 2021 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले असम में क्या स्थिति थी और चुनाव परिणाम क्या रहे सबको पता है।

बंगाल में कानून व्यवस्था...

कुचलने वाली पार्टी बताया। मोदी ने कहा कि यहां जब केंद्र की जांच एजेंसियां आती हैं तो तृणमूल उन पर हमले करवाती है। संदेशखाली में क्या हुआ, पूरा देश जान चुका है। उन्होंने कहा कि क्या संदेशखाली के अपराधियों को कड़ी सजा होनी चाहिए कि नहीं, उनकी जिंदगी जेलों में जानी चाहिए। क्या राशन घोटाले, टीचर भर्ती घोटाला करने वालों को सजा मिलनी चाहिए कि नहीं, मैं आज बंगाल की धरती से गारंटी देता हूं, जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के पैसे जमा किए हैं। ईडी ने तीन हजार करोड़ रुपये अटैच करके रखी है, मैं एडवाइस ले रहा हूं, जो सरकारी नौकरी में लोगों के पैसे गए, ये पैसे मैं गरीबों को वापस करवाउंगा। जो बेचारा टीचर की नौकरी के लिए पैसा दिया, मैं उसका पैसा वापस दिलवाउंगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस और तृणमूल ने एक-दूसरे के भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए इंडी गठबंधन बनाया है, मैं कहता हूं भ्रष्टाचार मिटाओ, वो कहते हैं भ्रष्टाचार बचाओ। पीएम ने कहा कि हर पोलिंग बूथ पर तृणमूल की जमानत जब्त हो। माताओं बहनों के साथ इतना अत्याचार हुआ। हालात ये है कि यहां हर मामले में कोर्ट को दखल देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव एक सांसद चुनने का नहीं, ये सशक्त सरकार बनाने का चुनाव है। जितनी मजबूत केंद्र सरकार होगी उतना मजबूत दुनिया का भारत पर भरोसा होगा। यहां ज्यादा निवेश आएगा, फैक्टरियां लगेंगी। भाजपा सरकार ने जी-20 की मीटिंग नॉर्थ बंगाल में इसलिए रखी ताकि ये क्षेत्र इंटरनेशनल टूरिज्म पर पहुंचे। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले जलपाईगुड़ी के कई क्षेत्रों में तूफान से नुकसान हुआ। जिन्होंने अपनों को खोया उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। आज देशभर में पूरे बंगाल में एक ही गूंज सुनाई दे रही है, फिर एक बार मोदी सरकार।

सीएम विजयन ने ...

संवाददाता सम्मेलन में पिनराई ने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को भाजपा सरकार ने एक दिन में ही निरस्त कर दिया। कांग्रेस संसद के भीतर और बाहर विरोध करने में विफल रही। माकपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी के घोषणापत्र में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) जैसे कठोर कानूनों को निरस्त करने का वादा किया गया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में यह प्रतिबद्धता नहीं है। पिनराई ने कहा कि वामपंथी पार्टियां राज्य में भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को जड़ जमाने की अनुमति नहीं देंगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को राज्य की 20 में से एक भी सीट मिलना तो दूर वह कहीं भी दूसरे स्थान पर नहीं आ सकेगी।

बंगाल में हमले ...

कुछ बहस की खबरें थीं। घटना के दौरान, पहले एक वाहन में तोड़फोड़ की गई थी। घटना के दौरान एक व्यक्ति के घायल होने की भी सूचना है। मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। इससे पहले शनिवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक विस्फोट मामले के सिलसिले में जांच के दौरान एनआईए के कुछ अधिकारियों के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की की गई थी। जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, विस्फोट मामले की चल रही जांच के सिलसिले में पूर्व मेदिनीपुर का दौरा करने वाली एनआईए टीम पर शनिवार को हमला हुआ। सूत्रों ने कहा कि जिस वाहन में एनआईए अधिकारी यात्रा कर रहे थे, उसमें कथित तौर पर उस समय तोड़फोड़ की गई जब मामले के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। कथित घटना के एक वीडियो में स्थानीय लोगों को कथित तौर पर एक वाहन के आसपास इकट्ठा होते देखा गया, जो एनआईए टीम को संदिग्ध को अपने साथ ले जाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। ग्रामीणों ने वाहन पर पथराव भी किया। गौरतलब है कि 5 जनवरी को राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में ईडी टीम पर इसी तरह का हमला किया गया था।

अगर कांग्रेस को ...

हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वायनाड सांसद ने तब लिखा था कि वह पीछे हट जाएंगे और किसी और को काम करने देंगे। उन्होंने कहा कि लेकिन वास्तव में उन्होंने जो लिखा था उसके विपरीत काम कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी को टालने की जरूरत का जिक्र करते हुए कहा, कई कांग्रेस नेता निजी तौर पर स्वीकार करेंगे कि वे पार्टी में कोई भी निर्णय नहीं ले सकते हैं, जब तक कि उन्हें ×45 से मंजूरी नहीं मिल जाती। यहां तक कि गठबंधन सहयोगियों के साथ एक भी सीट या सीट साझा करने के बारे में भी वह निर्णय नहीं ले सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग निजी तौर पर यह भी कहता है कि स्थिति वास्तव में विपरीत है और राहुल गांधी वो फैसले नहीं लेते, जो वे चाहते हैं। किशोर ने कहा कि कांग्रेस और उसके समर्थक किसी भी व्यक्ति से बड़े हैं और गांधी को इस बात पर जिद्द नहीं करनी चाहिए कि बार-बार विफलताओं के बावजूद वह ही पार्टी के लिए काम करेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के इस तर्क पर सवाल उठाते हुए किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी को चुनाव में असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं से समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि यह आंशिक रूप से सच हो सकता है लेकिन पूरा सच नहीं है। उन्होंने कहा कि 2014 के चुनावों में कांग्रेस 206 सीटों से घटकर 44 सीटों पर आ गई थी जब वह सत्ता में थी और भाजपा का विभिन्न संस्थानों पर बहुत कम प्रभाव था। हालांकि, कई प्रमुख दलों के सफल चुनाव अभियानों से जुड़े रहे जाने-माने रणनीतिकार ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्य विपक्षी दल अपने कामकाज में *संरचनात्मक* खामियों से ग्रस्त है और उनकी सफलता के लिए उन्हें संबोधित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 1984 के बाद से कांग्रेस अपने वोट शेयर और लोकसभा और विधानसभा सीटों के मामले में धर्मनिरपेक्ष रूप से गिरावट में रही है और यह व्यक्तियों के बारे में नहीं है। पार्टी के पतन के कगार पर होने के दावों पर उनके विचार पूछे जाने पर किशोर ने ऐसे दावे का खंडन करते हुए कहा कि ऐसा कहने वाले लोग देश की राजनीति को नहीं समझते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का दावा सोलगेनियरिंग से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को केवल एक पार्टी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वह देश में जिस स्थान का प्रतिनिधित्व करती है, उसे कभी खत्म नहीं किया जा सकता। यह संभव नहीं है। कांग्रेस ने अपने इतिहास में कई बार खुद को विकसित और पुनर्जन्म लिया है। उन्होंने कहा कि आखिरी बार ऐसा तब हुआ था जब सोनिया गांधी ने सत्ता संभाली थी और 2004 के चुनावों में सत्ता में वापसी की साजिश रची थी।

मियामी में फायरिंग...

को बताया कि गोलीबारी में एक अधिकारी की जांघ पर गोली लगी। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में छह राहगीर भी जख्मी हो गए जिनमें चार व्यक्ति और दो महिलाएं शामिल हैं। डब्ल्यूटीवीजे-टीवी की खबर के मुताबिक, जख्मी पुलिस अधिकारी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। जबलेटा ने बताया कि छह राहगीर अब भी अस्पताल में है जिनमें से दो की हालत नाजुक है। लोपेज ने बाद में *मियामी हेराल्ड* को बताया कि दो अधिकारी और शुरुआती हमलावर के पास ही बंदूकें थीं। उन्होंने कहा कि फ्लोरिडा का कानून प्रवर्तन विभाग गोलीबारी की घटना की जांच कर रहा है, जबकि मियामी-डाडे पुलिस दो लोगों की मौत की घटना की छानबीन कर रही है। मारे गए बंदूकधारी और सुरक्षाकर्मी की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

गृहमंत्री 9 को ...

आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने रविवार को मीडिया को बताया कि गृहमंत्री पहले रविवार और सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचने वाले थे। शनिवार को उनके कार्यक्रम के स्थगित होने की घोषणा की गई। अब रविवार, सोमवार के बदले मंगलवार को तय हुआ है। इस दौरान वे राज्य के होजाई, लखीमपुर और गोहपुर में चुनावी रेलियों में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अप्रैल को चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए असम आ रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नलबाड़ी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

चार करोड़ कैश ...

नवीन और ड्राइवर पेरुमल शामिल है। सूत्रों ने बताया कि सतीश ने कथित तौर पर थिरुनेलवेली से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार नैयिनार नागेंद्रन की टीम के निर्देशों के मुताबिक काम करने की बात कबूल की है। आगे की जांच चल रही है। बता दें कि, तमिलनाडु में लोकसभा की कुल 39 सीटें हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा दक्षिण भारत में अपना प्रदर्शन को सुधारना चाहती है। दक्षिण के एक भी राज्य में भाजपा सत्ता में काबिज नहीं है। इसके अलावा, तमिलनाडु में कांग्रेस, डीएमके के साथ सरकार में है, जबकि तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है।

खटखटी में अवैध हथियारों के साथ दो गिरफ्तार

कार्बी-आंगलोंग (हिंस)। चुनाव के मौके पर खटखटी पुलिस ने छापा मारकर अवैध हथियार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। रविवार सुबह ऑल्टो कार (एएस-26एफ-5554) से हथियार बरामद किए गए। पुलिस द्वारा गुप्त सूत्रों के आधार पर की गई छापामारी में दोनों युवकों के पास से .32 और .22 पिस्तौल के साथ 13 राउंड 7.62 की सक्रिय गोलियां बरामद हुईं। चिरांग जिले के निवासी गिरफ्तार दोनों युवकों की पहचान सिबिस्तान इस्लारी और मंजिल नार्जारी के रुप में हुई है। इन्हें खटखटी पुलिस थाना अंतर्गत बालीजान के पास फोर-लेन रोड पर की गई छापेमारी के दौरान हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया।

जंगली हाथी के हमले में एक की मौत

कामरूप (हिंस)। बोको के गोहलकोना में जंगली हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान हमसिंग के मराक (57) के रूप में हुई है। घटना शनिवार रात की है। घटना गोहलकोना के पास पहाड़ी की है। मृतक पहाड़ी पर स्थित बगीचे में कार्यरत था। पांच हाथियों के झुंड ने मृतक पर शनिवार की देर रात हमला कर दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई। सुबह लोगों ने मृतक को देखकर पुलिस को इसकी जानकारी दी।

सीएए का विरोध करने वाली कांग्रेस को वोट देने की हिरेन गोहाईं की गुहार

गुवाहाटी (हिंस)। वामपंथी नेता डॉ. हिरेन गोहाईं के नेतृत्व में सीएए विरोधी एकता मंच ने आज सरकार से असमिया जाति और भेटी (फाउंडेशन) की रक्षा के लिए अधिनियम को निरस्त करने की मांग की और जन जागरूकता अभियान शुरू किया। डॉ. हिरेन गोहाईं ने कहा कि सीएए जैसा एक कानून असमिया जाति की भाषा और संस्कृति को समाप्त कर देगा। उन्होंने लोगों से असम को विदेशियों के बोझ से बचाने के लिए भाजपा और अगप को वोट नहीं देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में अधिकांश विपक्षी दलों के प्रतिनिधि और छात्र संगठनों के नेता मौजूद थे, जिसका संचालन एंटी-सीएए यूनिटी फोरम के मुख्य समन्वयक देवेन तामुली ने किया। सीपीएम, सीपीआई के नेताओं के साथ-साथ पीएलपी के चरण डेका, सेवानिवृत्त प्रोफेसर अब्दुल मन्नान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बोलिन कुली, शिलसांको बिल के विस्थापित परिवार के कई वक्ताओं के साथ-साथ असम प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष बेदब्रत बोरा ने भी सीएए लागू करने के लिए सरकार की कड़ी आलोचना की। बोरा ने कहा कि दिल्ली में इंडी गठबंधन की सरकार बनने पर यह पहले मंत्रिमंडल की बैठक में सीएए को निरस्त किया जाएगा।

चार बाइक चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले की उरियामघाट पुलिस ने बाइक चोरी मामले में चार चोरों को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने रविवार को बताया कि उरियामघाट पुलिस थाना इलाके के उरियामघाट बाजार से बाइक चोरी की जानकारी मिलते ही पुलिस ने अभियान चलाकर चोरी की एक बाइक समेत दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों बाइक चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने अन्य दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने उरियामघाट से चोरी की गई बाइक (एएस-05पी-9970) को बरामद कर लिया। वहीं, पुलिस ने चोरों द्वारा चोरी के लिए व्यवहार की जा रही दो अन्य (एएस-05भी-1729 और एएस-05यू-0594) बाइकों को भी जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि चोरों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि विभिन्न इलाकों से कुल पांच बाइक चोरी कर चोरों द्वारा डिमापुर में बेचा गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चोर के गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान चला रही है।

विपक्षी एकता मंच को सोनोवाल कछारी गणमंच का समर्थन

गुवाहाटी (हिंस)। सोनोवाल कछारी गण मंच ने रविवार को विपक्षी एकता मंच असम का हिस्सा बनने की घोषणा की है। पूर्व में सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद का चुनाव लड़ चुकी क्षेत्रीय पार्टी की प्रदेश समिति ने आज गोपाल सोनोवाल के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के साथ बैठक की। चर्चा के अंत में पार्टी ने ऊपरी असम के पांच निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष के ऐक्य मंच के उम्मीदवार लुरिनज्योति गोगोई और कांग्रेस के चार उम्मीदवारों गौरव गोगोई, रोजलीना तिर्की, उदयशंकर हजारिका और प्रेमलाल गंजू का समर्थन करने का फैसला किया। इसके अलावा, आज से पार्टी ने औपचारिक रूप से विपक्षी एकता मंच, असम में एक भागीदार के रूप में एक साथ काम करने का फैसला किया।

जागीरोड और सियालदह के बीच चलेगी एसी स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए 12 अप्रैल से 29 जून तक दोनों दिशाओं में 12 ट्रिपों के लिए जागीरोड और सियालदह के बीच एक एसी स्पेशल ट्रेन के परिचालन करने का निर्णय लिया गया है। गर्मियों में इस रूट पर अन्य ट्रेन से यात्रा करने वाले प्रतीक्षा सूची वाले यात्री उक्त एसी स्पेशल ट्रेन में आराम से यात्रा करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि, स्पेशल ट्रेन संख्या 03105 (सियालदह-जागीरोड) 12 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को सियालदह से सुबह 09:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन अपने गंतव्य जागीरोड सुबह 06:30 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, स्पेशल ट्रेन संख्या 03106 (जागीरोड-सियालदह) 13 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक शनिवार को जागीरोड से दोपहर 01:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 01:00 बजे अपने गंतव्य सियालदह पहुंचेगी। 16 एसी-3 टीयर कोच से युक्त यह स्पेशल ट्रेन अपने दोनों तरफ की यात्रा के दौरान वाया गुवाहाटी, ग्वालपाड़ा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, मालदा टाउन, जंगीपुर रोड, आजिमगंज, बैंडेल, नैहाटी होकर चलेगी।

त्रिपुरा में 753 किलो गांजा जब्त

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने एक अभियान के दौरान 753 किलोग्राम गांजा बरामद किया। त्रिपुरा पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के सेपाही जिला थाना अंतर्गत सोनामुरा थाना प्रभारी जयंत कुमार दे के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया था। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के आनंदपुर में असादुल हक (35) नामक व्यक्ति के आवास पर छापामारी की गई। छापामारी के दौरान 16 प्लास्टिक के ड्रम में भरकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। इस गांजे का वजन 735 किलोग्राम है। जब्त किए गए गांजे का बाजार मूल्य 50 लाख रुपए होने का अनुमान लगाया गया है। पुलिस द्वारा गांजे को जब्त कर लिया गया। हालांकि, अभियान के दौरान तस्कर वहां से फरार होने में सफल रहा।

विश्वनाथ में डॉ. तुलीराम रांग्हांग ने भाजपा प्रत्याशी रंजीत दत्त के लिए किया चुनाव प्रचार

विश्वनाथ (विभास)। कार्बी स्वायत्त परिषद (केएएसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य डॉ. तुलीराम रंगहांग ने कार्बी कल्याण स्वायत्त परिषद के गठन के हित में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में चुने जाने की मांग की है। एक प्रकार से शोणितपुर लोकसभा के कार्बी जनजाति के वोट बीजेपी के पक्ष में लाने के स्वार्थ में आज विश्वनाथ में कार्बी स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यवाही सदस्य डॉ. तुलीराम रंगहांग उपस्थित होते हैं। शोणितपुर लोकसभा क्षेत्र के कार्बी इलाके तथा विश्वनाथ के असम अरुणाचल सीमावर्ती के कार्बी ब्लॉक में भाजपा को वोट देने के लिए कार्बी जनगोष्ठी को आवाहन किया गया। मुख्य कार्यकारी सदस्य ने कहा कि उत्तर पूर्व के प्रत्येक उग्रवादी समूह ने नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और शांति समझौते के प्रावधानों को अक्षरशः लागू कर रहे हैं। बैठक में बिश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर, कार्यकारी सदस्य लूचिंग टेरोन, पीडीसीके के पूर्व अध्यक्ष आई के संबिजीत इंति कथार और कार्बी समुदाय के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेते हैं।

आईटीसी सनराइज स्पाइसेस ने किया *सनराइजर होइते बिहू अदोरुगोई बोला* नामक द बिहू सांग ऑफ द ईयर रिलीज

गुवाहाटी। आईटीसी सनराइज स्पाइसेस, पूर्वी भारत का एक प्रमुख मसाला ब्रांड, जो अपने पाक उत्पादों की विविध रेंज के लिए जाना जाता है, ने राज्य के बहुप्रतीक्षित बिहू त्योहार के लिए *सांग सनराइजर होइते बिहू अदोरुगोई बोला* नामक सांग जारी किया है। उत्सव की भावना को अपनाने की अपनी वार्षिक परंपरा को जारी रखते हुए, इस वर्ष सनराइज ने एक दिल छू लेने वाली संगीत रचना का अनावरण किया है जो वसंत के आगमन और असम की सांस्कृतिक विरासत का आनंद उठाती है। गोरू बिहू, मनु बिहू, जाक बिहू और कुटुम बिहू के सार को दर्शाने वाले इस गीत को लांच किया गया। आईटीसी सनराइज मसाला की ओर से रविवार की शाम जीएस रोड स्थित सेंट्रल मॉल में 100 बिहू नर्तकों की भागीदारी के साथ एक अविश्वसनीय फ्लैश मॉब का आयोजन किया। नर्तक सनराइज मसाला द्वारा तैयार किए गए बिहू गीत की लय पर खूबसूरती से आगे बढ़े, और अपने जीवंत प्रदर्शन से दर्शकों से भारी खचाखच परिसर को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत वीडियो में प्रसिद्ध असमिया संगीतकार बिजय शंकर की असाधारण प्रतिभा है, जिनके जादुई गीत सुनीत गोगोई के पूरक हैं। रिंदिप्ता शर्मा, नितुल दधोरा की आवाजो से, प्रत्येक ने रचना में अपनी अनूठी प्रतिभा जोड़ी हैं। लोकप्रिय स्थानीय मशहूर हस्तियों मधुस्मिता धिहिंग्या और नील तमुली ने संगीत वीडियो में अभिनय किया, जिससे इस संगीतमय उत्कृष्ट कृति की भव्यता और बढ़ गई। उनका करिश्माई प्रदर्शन वीडियो में आकर्षण की एक अतिरिक्त परत लाता है, जिससे यह दर्शकों के लिए बिहू पर सुंदर उपहार बन गया है। *सांग सनराइजर जोइते बिहू अदोरुगोई बोला* बिहू की समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है, जो असमिया नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। गीत सबसे प्रसिद्ध त्योहार के विभिन्न तत्वों के बारे में बात करते हैं, जिसमें बारिश के बाद प्रकृति की सुंदरता, ताजा उपज का उपयोग करके पारंपरिक व्यंजनों की तैयारी और मौसम के साथ होने वाले हर्षोल्लास उत्सव शामिल हैं। घर के प्रति पुरानी यादों, एकजुटता और लालसा की भावना पैदा करते हुए, यह गीत प्रियजनों के साथ नृत्य करने और जश्न मनाने के उत्साह को भी दर्शाता है। यह गीत हाथ से बुनी पारंपरिक असमिया पोशाक और श्रृंगार पहनने जैसे सांस्कृतिक तत्वों को भी छूता है। यह गीत एक आकर्षक नोट पर समाप्त होता है, जो अपने दर्शकों से इसकी वापसी के लिए साल भर के इंतजार से पहले उत्सव में शामिल होने का आग्रह करता है, बिहू त्योहार की सांस्कृतिक समृद्धि और जीवंतता और असम के लोगों के लिए इससे होने वाली खुशी पर जोर देता है। आईटीसी सनराइज मसाला ने सेंट्रल मॉल में 100 बिहू नर्तकों की भागीदारी के साथ एक अविश्वसनीय फ्लैश मॉब का आयोजन किया। नर्तक सनराइज मसाला द्वारा तैयार किए गए बिहू गीत की लय पर खूबसूरती से आगे बढ़े, और अपने जीवंत प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा सनराइज ने अपने वार्षिक कार्यक्रम के सीजन 4 को भी सक्रिय कर दिया है। इस साल रेड एफएम के सहयोग से बिहू प्रीमियर लीग उपभोक्ताओं को बिहू उत्सव में और अधिक डुबोने के लिए रोमांचक गतिविधियों की एक श्रृंखला पेश करेगा। 6 अप्रैल से शुरू होकर 12 अप्रैल तक, उपस्थित लोग विभिन्न प्रकार की बिहू-थीम वाली प्रतियोगिताओं, पारंपरिक हुसोरी प्रदर्शन और स्वादिष्ट खाना पकाने की प्रतियोगिता में शामिल होकर पुरस्कार जीत सकते हैं।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान दो मैगजीन के साथ एक स्टेन गन कार्बाइन, एक 9 एमएम पिस्तौल, एक संशोधित 303 राइफल, नौ एचई 36 हैंड ग्रेनेड, तीन स्मोक बम, पांच 51 एमएम मोटर शेल, एक 2 इंच मोटर शेल, एक डेटोनेटर, चार वॉकी टॉकी (डब्ल्यूटी सेट) के साथ अलग-अलग कंपनी के 2 चार्जर, दो मोबाइल फोन, दो स्मोक शैल, 12 जिंदा कारतूस, एक ट्यूब लांचर, एक हेलमेट, तीन जोड़ी जंगल बूट, तीन बुलेट प्रूफ जैकेट, एक स्लीपिंग बैग बिष्णुपुर जिले के काबुई गांव के पास माईबाम लोटपा चिंग ममांग लीकाई से बरामद किया गया।

रानी सती दादी का सिंजारा व मंगल पाठ का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। श्री राणीसती महिला समिति गोहाटी द्वारा दादीजी का गणगोर का सिंधारा महेश्वरी भवन किया आयोजित हुआ। इस अवसर पर दादी जी का भव्य दरबार सजाया गया ओर ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। मंगल पाठ वाचिका ज्योति जाजोदिया द्वारा श्री राणी सती दादी जी का मंगल पाठ, नृत्य नाटक के साथ किया। जिसमें काफी संख्या में रंग बिरंगी साड़ी पहनकर महिलाएं उपस्थित थीं। मंगल पाठ के दौरान दादीजी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से नाचते गाते हुए मनया गया। मंगल पाठ के दौरान दादी का सिनंजारा गणगौर के गीत गाकर बड़ी धूम धाम से नाचते हुए मनया। श्री राणी सती महिला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

रंगिया में 101वां साप्ताहिक सुंदरकांड पाठ आयोजित

रंगिया (विभास)। श्री सुंदरकांड समिति, रंगिया के सौजन्य से शनिवार को साप्ताहिक सुंदरकांड पाठ का 101वां आयोजन किया गया। स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में सुबह 11 बजे से पाठ प्रारंभ किया गया। मंदिर के पुजारी गोपाल शर्मा और महेश शर्मा द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। मालूम होकि समिति द्वारा विगत दो वर्षों से प्रत्येक सप्ताह सुंदरकांड का आयोजन विधिवत रूप से किया जाता आ रहा है। वहीं पाठ के बाद आरती और प्रसाद के साथ इसका समापन किया जाता है। आज सुंदरकांड के पश्चात समिति द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में परमानन्द शर्मा, प्रह्लाद शर्मा, शंकर शर्मा, दिलीप सिकरिया, बासुदेव शर्मा, घनश्याम शर्मा, राजकुमार सुरेका, हरिप्रसाद शर्मा, प्रभुदयाल शर्मा, रतन सिकरिया, बाबूलाल शर्मा, रोहित शर्मा, अशोक शर्मा (पंडित), महेश शर्मा, गोपाल शर्मा सहित सभी समाजबंधुओं का सक्रिय सहयोग रहा। सुंदर कांड समिति द्वारा सभी समाजबंधुओं को धन्यवाद ज्ञापन किया गया है और आगे भी इसी तरह सहयोगिता की कामना की गई है।

गुवाहाटी में पहला कल्याण कार्यक्रम और प्रमाणन संगीत चिकित्सा कार्यशाला *मेलोडिक माइंड्स* का आयोजन

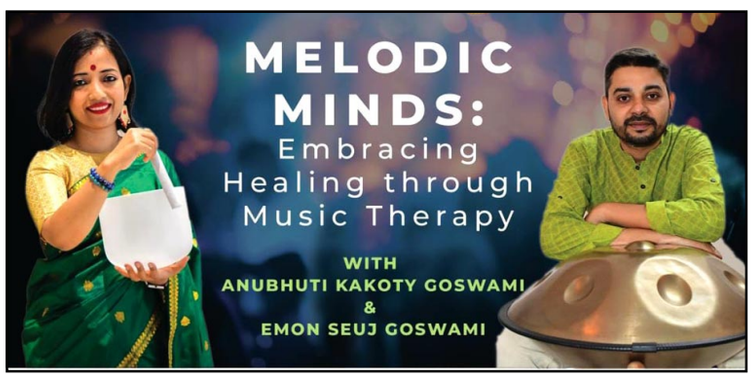

गुवाहाटी। प्रसिद्ध संगीत चिकित्सक (संगीत चिकित्सा विशेषज्ञ) और आजीवन प्रशिक्षक अनुभूति काकती गोस्वामी गुवाहाटी में एक दिलचस्प और अभूतपूर्व संगीत चिकित्सा कार्यशाला और प्रमाणन समारोह का आयोजन कर रही हैं। यह आयोजन गुवाहाटी के समग्र स्वास्थ्य और कल्याण वातावरण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रमाणन संगीत चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन अनुभूति काकाती गोस्वामी और इमोन सेउगे गोस्वामी द्वारा लोकप्रिय एनजीओ बयातिक्रमा मसाडो के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यशाला 26 और 27 अप्रैल को गुवाहाटी के आईटीए मास्कवा सांस्कृतिक परियोजना परिसर में आयोजित की जाएगी। गुवाहाटी में अपनी तरह की पहली इस अग्रणी कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को संगीत चिकित्सा में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना है। पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रथाएं शामिल हैं जैसे ध्वनि चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, दर्द प्रबंधन, संगीत चिकित्सा और योग और ध्यान तकनीकों के साथ उनका एकीकरण। कार्यशाला के सफल समापन पर, प्रतिभागियों को एक प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, जो उन्हें पेशेवर रूप से संगीत चिकित्सा को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाएगा। इस कार्यशाला में अनुभूति गोस्वामी मुंबई और स्पेन के सामाजिक शिक्षा संस्थानों से प्राप्त अपने विभिन्न शैक्षिक अनुभवों को साझा करेंगी। लोकप्रिय बॉलीवुड कलाकारों के साथ काम करने के व्यापक अनुभव के साथ, अनुभूति गोस्वामी को संगीत चिकित्सा और समग्र उपचार में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। आगामी कार्यक्रम के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अनुभूति काकती गोस्वामी ने कहा कि मैं गुवाहाटी में इस प्रमाणन संगीत चिकित्सा कार्यशाला की मेजबानी करके बेहद खुश हूं, जो अपनी जीवंत संस्कृति और भावना के लिए जाना जाता है। इस पहल का उद्देश्य उपचार है। इसका उद्देश्य गहनता को उजागर करना है। संगीत का प्रभाव और व्यक्तियों को व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से संगीत चिकित्सा में एक संपूर्ण यात्रा शुरू करने के लिए सशक्त बनाता है। इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम के लिए पंजीकरण अब खुला है और इसे इंस्टाग्राम आईडी पर उपलब्ध फॉर्म के माध्यम से पूरा किया जा सकता है।

संपादकीय

सियासी आबंटन की सरहदें

हिमाचल में सत्ता संग्राम की सीढियों पर सामाजिक विवेचन की अद्भुत पहल भी देखी जा रही है। यहां मतदाता अपनी जातियों के आधार पर समूह और वर्ग पर केंद्रित सियासी काफिले बना रहे हैं। आश्चर्य यह कि हम विधानसभा क्षेत्रों में नए राजनीतिक आबंटन की सरहद पर खड़े हैं। शुरुआत कांगड़ा से हुई, तो कांग्रेस के सामने कई समूह बोलियां लगा रहे हैं। भाजपा के मापतौल पहले ही अपने अंकगणित को पूरा कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस के घर में जातिवाद की खिड़कियां आपस में झगड़ रही हैं। विधानसभा के धर्मशाला सीट पर कई जातियां और वर्ग कांग्रेस के सोच पर मंडरा रहे हैं। पहली बैठक गद्दी समुदाय की तरफ से हुई, तो कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच यह वर्ग अपने सियासी वजूद की वेदना के साथ सामने खड़ा हो गया। अब ओबीसी समाज ने कांग्रेस की दीवारों पर हक जताते हुए पोस्टर चस्पां करके कई नाम उकेरे हैं। सत्ता से सामाजिक दायरों तक मापतौल का एक पैमाना चुनाव हो सकता है, लेकिन क्या हिमाचल अब इस रूप में पहचाना जाएगा। बेशक किसी भी समुदाय, जाति या गोत्र में पैदा होकर कोई व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल हो सकता है, लेकिन सत्ता का बंटवारा अब बहस का विषय है। स्वयं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आधार को पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की शुमारी में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, तो इस तर्क पर हिमाचल में पार्टी के टिकट आबंटन पर असर पड़ सकता है। पहले भी कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से चंद्र कुमार कांग्रेस की टिकट पर सांसद बन कर सामाजिक न्याय के प्रतीक रहे हैं। गद्दी समुदाय से किशन कपूर लोकसभा से हाल ही में निवृत्त हुए हैं। जातीय समीकरणों के आधार पर ही अगर टिकटें सुनिश्चित होतीं, तो प्रदेश को जीएस बाली जैसा नेता नहीं मिलता। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नेता को जाति, वर्ग या समुदाय बनाता है। नगरोटा बगवां की लगभग आधी आबादी ओबीएस वर्ग से संबंध रखती है, लेकिन जीतने वाले के लिए जातियां दोयम साबित हो रही हैं। समाज वहां अगर सही नेतृत्व ढूंढते हुए जाति भूल रहा है, तो उसे सलाम। आश्चर्य यह कि हिमाचल में नेतृत्व के लिए सत्ता पक्ष ने दो ही जातियां आज तक उपयोगी मानी। सरकारों का इतिहास बताता है कि हिमाचल में सबसे अधिक बार राजपूत मुख्यमंत्री ही बने, जबकि दो बार ब्राह्मण वर्ग के शांता कुमार इस पद पर रहे। नेता तो अन्य जातियों, वर्गों और समुदाय में भी शक्तिशाली व पारंगत हुए, लेकिन इस राज्य की कमान उन्हें अब तक नहीं मिली। ओबीसी तथा गद्दी समुदाय से कई दिग्गज नेता हुए, लेकिन उनके मंत्रालय भी प्रभावशाली साबित नहीं हुए। राजनीति का बदलता परिदृश्य हिमाचली समाज की पेशकश में नेताओं का फिर से मुआयना कर रहा है। सर्वमान्य होने से पहले जो नेता जातियों या वर्गों की वर्दी पहनकर उछलकूद कर रहे हैं, उन्हें पहचाना जाए या जिन्होंने सीढियां चढ़ते हुए यह साबित किया कि वे इस तरह की तफतीश से ऊपर हैं। गाहे-बगाहे हम चुनावों की परिपाटी में समाज के बीच अनावश्यक बंटवारे को देख लेते हैं। समाज को अब साधने और हांकने के लिए राजनीति नित नए बहाने ढूंढ रही है और इसकी विडंबना से हम ऐसे जनप्रतिनिधियों के पल्ले पड़ गए हैं, जो या तो परिवारवाद या जातिवाद की उपज हैं। खास तौर पर स्थानीय निकाय चुनावों के जरिए जिस तरह के पार्षद सामने आ रहे हैं, उन्हें देखकर यह विश्वास नहीं होता कि वे अपने विजन से प्रदेश को आगे बढ़ा पाएंगे। विडंबना यह है कि हिमाचल में न तो बिरादरियां इनसान बना रही हैं और न ही विभिन्न वर्ग नागरिक समाज को जवाबदेह बना रहे हैं। राजनीति की दौड़ में बैसाखियां चाहिएं। कोई जाति की पहनकर टिकट मांग रहा है, तो कोई वर्ग या समुदाय की वर्दी पहनकर पहचान पाना चाहता है। प्रदेश के लिए सुकून की बात यह कि अधिकांश चुनावों में जातियों तथा वर्ग के झंडे पीछे करके समाज ऐसे सोच को ठुकरा रहा है। बेहतर लोकतंत्र के लिए जातियों के एहसास या पैदाइशी वर्ग के स्वाभिमान से कहीं हटकर सोचना पड़ेगा, जो फिलहाल मुश्किल होती कवायद लग रहा है।

भाजपा के मापतौल पहले ही अपने अंकगणित को पूरा कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस के घर में जातिवाद की खिड़कियां आपस में झगड़ रही हैं। विधानसभा के धर्मशाला सीट पर कई जातियां और वर्ग कांग्रेस के सोच पर मंडरा रहे हैं। पहली बैठक गद्दी समुदाय की तरफ से हुई, तो कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच यह वर्ग अपने सियासी वजूद की वेदना के साथ सामने खड़ा हो गया। अब ओबीसी समाज ने कांग्रेस की दीवारों पर हक जताते हुए पोस्टर चस्पां करके कई नाम उकेरे हैं। सत्ता से सामाजिक दायरों तक मापतौल का एक पैमाना चुनाव हो सकता है, लेकिन क्या हिमाचल अब इस रूप में पहचाना जाएगा। बेशक किसी भी समुदाय, जाति या गोत्र में पैदा होकर कोई व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल हो सकता है, लेकिन सत्ता का बंटवारा अब बहस का विषय है। स्वयं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आधार को पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की शुमारी में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, तो इस तर्क पर हिमाचल में पार्टी के टिकट आबंटन पर असर पड़ सकता है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई

ममता सरकार को फिर अदालत की फटकार

योगेंद्र योगी

देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अदालतों की सर्वाधिक फटकार और निर्देशों का सामना करना पड़ा है। अराजकता की ऐसी हालत एक दशक पहले तक कभी उत्तर प्रदेश और बिहार की हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी, इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फेंकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी, अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है। संदेशखाली की घटना के बाद हाईकोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी ममता सरकार के खिलाफ की है, उससे जाहिर है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था रसातल में जा रही है। ममता की पार्टी तृणमूल का एकमात्र उद्देश्य रह गया है अपने विरोधियों की आवाज बंद करना, इसके लिए चाहे गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़ा। संदेशखाली मामले को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर संदेशखाली मामले में एक प्रतिशत भी सच है तो प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसकी जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को खुद से नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। इतना ही नहीं कोर्ट ने कहा कि अगर इस मामले में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है और पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने तल्ख लहजे में कहा कि अगर इसका एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप एससी-

एसटी नेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो यह 100 फीसदी शर्मनाक है। वहीं इस दौरान एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीडन की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे पहले अपने आसपास की परछाइयों से छुटकारा पाएं। इसके बाद दूसरे लोगों की शिकायतों के बारे में बात करें। अगर हलफनामे में एक भी आरोप सच है तो वह भी शर्मनाक है। सरकार कहती है कि यहां महिलाएं सुरक्षित हैं। यदि हलफनामे में कोई आरोप साबित हो जाता है, तो ऐसे सभी दावे झूठे होंगे। हालांकि सुनवाई पूरी होने के बाद भी हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के मास्टरमाइंड और तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख ने कहा था कि वह राजनीतिक साजिश का शिकार है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान शाहजहां ने पांच जनवरी को संदेशखाली में केंद्रीय एजेंसी कर्मियों पर हमला करने वालों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इन्कार किया था। शाहजहां ने अधिकारियों से कहा था कि वह इस हमले की दिल से निंदा करता है और चाहता है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले। ईडी ने शाहजहां से उसकी कंपनी सबीना एंटरप्राइजेज के जरिए काली कमाई को सफेद करने के मामले में पूछताछ की। जिस पर शाहजहां ने कहा कि सब झूठ है। अनुसूचित जाति-जनजाति के पैनल ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी। इसके लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पैनल ने एक रिपोर्ट सौंपी थी। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है था कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पैनल का यह भी कहना था कि आरोपियों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कानून के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। देश में पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जहां राज्यपाल ने केंद्र सरकार को कई बार बिगड़े हालात की जानकारी दी है। विपक्षी दलों की शासित राज्यों में भी राज्यपालों और सत्तारूढ़ दल की सरकारों में अनबन होती रहती है, किन्तु संवैधानिक पद पर रहते हुए जितने खराब संबंध पश्चिम बंगाल में रहे हैं, उतने किसी भी राज्य में नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि जो लोग संदेशखाली की महिलाओं के उत्पीडन के जिम्मेदार हैं, उनको अब अपना बाकी जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में पूरे देश ने देखा कि कैसे टीएमसी और राज्य सरकार ने संदेशखाली की महिलाओं का शोषण करने वाले लोगों को बचाया। लेकिन उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिन लोगों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है, उन्हें अब अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी पूर्व में भी जहर उगलने में पीछे नहीं रही हैं।

पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी, इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फेंकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी, अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है।

दृष्टि कोण

पक्षी आपका इंतजार कर रहे हैं, दुनिया से भागना नहीं है इनके 'पास जाना'

अपनी जिंदगियों में हम इतने व्यस्त होते हैं कि पक्षियों को देखने का हमारे पास वक्त ही नहीं होता। रोजमर्रा के कार्यों में हम इतने खोए रहते हैं कि अपने आस-पास मौजूद पक्षियों की दिलचस्प दुनिया को नहीं देख पाते। अपने घरों की बालकनी में खड़े होकर, या सड़क पर यों ही घूमते हुए या कार पर जाते हुए, ऐसा हो ही नहीं सकता कि आपको कोई पक्षी दिखाई न दे। एक बार आप उन्हें देखना शुरू तो करें, धीरे-धीरे आप उन्हें पहचानने लगेंगे, उनमें फर्क करने लगेंगे। फिर एक दिन ऐसा आएगा, जब वे आपको पहचानने लगेंगे और तभी उनकी जादुई दुनिया आपके सामने खुद-ब-खुद अपने रहस्य खोलने लगेगी। पिछले साल सितंबर की बात है। मैं कैलिफोर्निया स्थित अपने घर के पास ही एक संरक्षित आर्द्र भूमि के अंतिम छोर तक गया और तरह-तरह के पक्षियों को देखने लगा। इससे पहले मैं गर्मियों में अपने कुत्ते को घुमाते हुए दूरबीन साथ में लेकर लंबी पैदल यात्रा करना पसंद करता था, लेकिन यह पहली बार था, जब मैं सिर्फ और सिर्फ पक्षियों को देखने निकला था। अमूमन माना जाता है कि पक्षियों को लगातार निहारते रहने वाला व्यक्ति एक पेशेवर या विशुद्ध पक्षी प्रेमी होता है। पर मैं ऐसा नहीं मानता। किसी क्षेत्र में रुचि रखने वाला व्यक्ति उसमें पारंगत हो, यह जरूरी तो नहीं। मेरा यह मतलब नहीं कि पेशेवर बनने के लिए कौशल जरूरी नहीं है। मैं तो यह कह रहा हूं कि कौशल न भी हो. पर गंभीर प्रयास और इरादे तो दिखने ही चाहिए। मसलन, नाच तो कोई भी सकता है, पर जरूरी नहीं कि हर नाचने वाला नर्तक हो। ठीक यही बात मुझ पर लागू होती है। पूरी जिंदगी पशुओं व पक्षियों में मेरी रुचि रही है, पर अपने भीतर पक्षियों को लेकर पेशेवर विशेषज्ञता मैं कभी विकसितु नहीं कर पाया। दो दशकों तक एक विज्ञान लेखक के रूप में मैंने पक्षियों के बारे में विस्तार से लिखा है, लेकिन मेरे लिए वह पल विशेष महत्व रखता है, जब मैंने सिर्फ पक्षियों लिए अपना समय और अपनी ऊर्जा समर्पित करने का फैसला किया। यह पहली बार था, जब पक्षियों को लेकर मैंने पेशेवर ढंग से सोचना शुरू किया। पेशेवर ढंग से मेरा आशय है कि पक्षियों को देखने में एक

तरह की विशेषज्ञता का मैंने अभ्यास करना शुरू किया। पिछले सात महीनों में मैंने पक्षियों की तकरीबन 452 प्रजातियां देखी हैं। पक्षियों को देखने का मेरा अनुभव इस प्रकार हो चुका है कि में आवाज सुनकर ही बहुत-सी पक्षी प्रजातियों की पहचान कर सकता हूं। मैं बड़े और छोटे पीले पैरों, घरेलू और बैंगनी फिंच, कूपर और तेज-चमड़ी वाले बाजों में स्पष्ट अंतर कर सकता हूं। दुर्लभ पक्षियों की तलाश में भी मैंने काफी समय गुजारा है। हालांकि पक्षियों के बारे में मुझे पहले से भी काफी जानकारी थी। पक्षियों के आवासों और उनके तौर-तरीकों के बारे में काफी कुछ समझता भी हूं। सोशल मीडिया पर पक्षी प्रेमियों के कई समूहों का भी हिस्सा हूं और उनसे बातें भी करता रहता हूं। पक्षी-प्रेमी होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है पक्षियों का ज्ञान और इसके लिए पक्षियों को जानना महत्वपूर्ण है। पक्षियों को जानने के लिए उन्हें देखना शुरू करना जरूरी है। मेरे पक्षी-प्रेम ने मुझे कैलिफोर्निया में ऐसे स्थानों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया, जहां पक्षी हो सकते हैं। मैं पक्षियों को देखने में इतना खो जाता हूं कि मुझे गर्मी, सर्दी, भूख और प्यास से कोई फर्क नहीं पड़ता। जब मैं पहली बार किसी नई प्रजाति को देखता हूं, तो मुझे एक अजीब शांति का अनुभव होता है, मानो मैंने कोई नशा किया हो। जब मैं सुबह अपने घर से बाहर निकलता हूं, तो आस- पड़ोस में पक्षियों के चहकने पर ध्यान देता हूं, जो हमेशा वहां रहते थे, लेकिन जिन पर पहले मैंने कभी ध्यान नहीं दिया। पक्षी प्रेमियों के लिए ऋतुओं को समझना अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऋतु परिवर्तन विशेष प्रजातियों के आगमन और प्रस्थान का एक महत्वपूर्ण संकेत है। मैं मौसम में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों और निवास स्थान के फर्क पर विशेष ध्यान देता हूं। पक्षियों से दोस्ती करनी हो, तो आप एक प्रयोग कर सकते हैं। आप जहां भी रहते हों, अपनी बालकनी या छत पर अनाज के कुछ दाने और पीने का थोड़ा पानी पक्षियों के लिए रखना शुरू कीजिए। हो सकता है कि शुरुआती कुछ दिन एक भी पक्षी न आए, लेकिन आप क्रम न तोड़िए। एक दिन आप देखेंगे कि कुछ पक्षियों ने आना शुरू किया, फिर कुछ और दिन बाद पक्षियों की संख्या बढ़ने लगेगी, और कुछ पक्षी तो लौट-लौट कर आने लगेंगे। उन पक्षियों के पास न जाइए, पर उनके व्यवहार को दूर से देखने-समझने की कोशिश करते रहिए। जब मैंने पक्षियों को देखना शुरू किया, तो मुझे लगा था कि अधिकांश पक्षी प्रजातियों को शायद ही देख पाऊं। मेरा मानना था कि रॉबिन और वेस्टर्न ब्लूबर्ड जैसे पक्षियों को देखना आसान होगा, वहीं ब्लैक स्कीमर या पेरेग्रीन फाल्कन या लॉगरहेड श्राइक, सुनहरी चीलों, बड़े सींग बाले उल्लुओं जैसे दुर्लभ पक्षियों को देखना मुश्किल होगा, पर पक्षियों के प्रति मेरी जिज्ञासा ने इसे सरल बना दिया। रैत की पहाड़ी पर नाचते हुए क्रेनों को देखकर और प्रशांत महासागर में उनकी गोताखोरी देखते हुए उत्सुकता भरा मेरा प्रश्न कि 'मैं उसे कभी नहीं देख पाऊंगा' अब 'मैं उसे कहां पा सकता हूं?'

कुछ अलग

इलैक्टोरल बॉण्ड

चुनावी बॉण्ड असंवैधानिक करार कर उनसे राजनीतिक दलों को चुनाव फण्डिंग न किए जाने के सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद यह संज्ञान में रहना चाहिए कि कम से कम मान्य चुनावी प्रक्रियाओं के संदर्भ में चुनावी बॉण्ड से मिला धन शुचिता वाला धन न होकर काले धन के समतुल्य ही था। दुखद यह रहा कि जब प्रजातांत्रिक चुनावों में काले धन का वर्चस्व हर बीतते चुनावों के साथ बढ़ता ही जा रहा था, चुनावी बॉण्ड की गुमनामी धनराशि भी उसी रूप में इसमें मददगार भी हो रही थी। जब ये एन चुनावों के पहले जारी होते थे, तब तो खासकर इनसे पाए करोड़ों रुपयों से राजनीतिक दलों को चुनाव लडने में आसानी होती थी। लगभग पांच साल देरी से आए इस निर्णय से पहले चुनावों में गैर-बराबरी जारी थी। इससे कई दलीय उम्मीदवारों की हार-जीत पर असर भी पड़ा होगा। जब चुनावी फण्डिंग की चुनावी बॉण्ड योजना आई थी, तो संसदीय परम्परा के विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का विचार था कि राजनीतिक दल चुनावों में कालेधन का भारी उपयोग करते हैं। राजनीतिक दलों को इन बॉण्डों को देने वालों का नाम जाहिर करना बाध्यकारी नहीं है, अतः पारदर्शिता का अभाव तो रहेगा ही। जिनका गैर-कानूनी काम किया गया है वे भी तो नेताओं के कहने पर उनके दलों को बॉण्ड दे सकते हैं। फर्जी कम्पनियों के माध्यम से राजनीतिक बॉण्ड खरीदकर राजनीतिक आकाओं के दलों को उपकृत करने की संभावनाओं से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसा धन राजनीतिक इस्तेमाल के लिए शुचिता वाला धन कैसे हुआ? अक्टूबर 2023 में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का बयान था कि इलैक्टोरल बॉण्ड के पहले जो कुछ पारदर्शिता थी वह भी खत्म हो गई। पहले राजनीतिक दलों को बीस हजार रुपए और उससे ज्यादा धन देने वालों की सूची चुनाव आयोग के पास होती थी। वह उनको सार्वजनिक भी करता था, परन्तु इलैक्टोरल बॉण्ड जारी होने के बाद यह अनिवार्यता और पारदर्शिता भी नहीं रही। समाचारों में ही था कि नवम्बर 2023 में जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे, वहां जब्त राशि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले सात गुणा ज्यादा थी। यदि सालों के अंतराल के बाद 31 अक्टूबर 2023 से चुनावी बॉण्ड की वैधता पर पुनः शुरू हुई सुनवाई पूरी होने के बाद भी उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने अपना निर्णय 2 नवम्बर 2023 को सुरक्षित न रखा होता तो शायद नवम्बर 2023 के विधानसभा चुनावों के पहले चुनावी बॉण्ड जारी भी न होते। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 29 शाखाओं से 29वीं बार 6 नवम्बर से 20 नवम्बर 2023 के दौरान चुनावी बॉण्डों की बिक्री, खरीददारी हुई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो दो नवम्बर के काफी बाद हुए थे, कुछ राजनीतिक दलों को चुनावी बॉण्ड का फायदा मिल ही गया। पहली बार चुनावी बॉण्ड मार्च 2018 में बिके थे। इसके बाद वे विभिन्न सालों में विभिन्न अवधियों में बिकते रहे। अप्रैल 2021 में भी गैर-सरकारी संस्था एडीआर (एसोसियेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स) ने सुप्रीमकोर्ट में दायर याचिका में तब कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा के चुनावों के पूरे होने तक इलैक्टोरल बॉण्ड की बिक्रियों पर रोक लगाने की मांग की थी, किन्तु बेंच ने उसे खारिज कर दिया। केन्द्र ने एक अप्रैल 2021 से 10 अप्रैल 2021 तक बॉण्ड जारी भी किए थे। अदालत ने टिप्पणी भी की थी कि यह दलील मानना मुश्किल है कि मतदाताओं को राजनीतिक चंदों का स्त्रोत जानने का अधिकार नहीं है। बहरहाल कोर्ट के फैसले का स्वागत है। -

देश दुनीया से

आयुर्वेद नहीं है बिकाऊ

स्वास्थ्य परिरक्षण एवं जीवनशैली से संबंधित विषयों पर इलाज के बड़े बड़े वादे इस देश में किए जाते रहे हैं। शर्तिया इलाज के नाम पर टंगे पोस्टर और फ्लेक्स जीवन सुधार देने के नाम पर झूठी आस बंधाते यहां-वहां टंगे दिख जाएंगे। आयुर्वेद की छवि मटियामेट करने में इस प्रकार के झूठे दावों का बड़ा हाथ है। बिना वैज्ञानिक पुष्टि किए इन्हीं दावों के कारण जीवन के परिरक्षण में महारत हासिल एक विज्ञान को इतने अधिक बुरे दिन देखने पड़े जितने कि अंग्रेजी शासन के दौरान इस विधा ने नहीं देखे थे। एक तथ्यात्मक बात है, इस संसार में अमरता का कोई ज्ञान उपलब्ध नहीं है। जो कोई इस संसार में आया है, उसका जाना भी तय है। इसलिए दीर्घायु के दावे करना और दीर्घायु का कोई जोड़ खोज निकालने का दंभ भरना, अपनी दुकान चला लेने की दृष्टि से यह एक अनोखा अनुप्रयोग भले हो सकता है, लेकिन यह वैज्ञानिक दृष्टि में जीवन किसी पोंजी स्कीम में लगा डालने जैसा है जिसके अंत में अपना ही नुकसान होना तय है। वादों से भरे भाषणों ने पहले ही हमारा बेहद नुकसान किया है। अब औने-पौने दावों में न आकर स्वास्थ्य को नुकसान होने से बचाना, यह जिम्मेदारी हमारी बनती है। स्वयं आयुर्वेद में किसी व्याधि की चिकित्सा के संदर्भ में किसी झूठे दावे का उल्लेख पढने में नहीं आता। अतः पुराने ग्रंथों से बाहर, कालांतर में लिखी गयी शर्तिया इलाज की पुस्तकें पढ़ कर ऐसे दावों के झांसे में आने से पहले हमें वैज्ञानिक बुद्धि का प्रयोग अवश्य करना होगा। चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत मुझे बीस वर्ष से अधिक का समय बीत गया। हजारों लोगों का उपचार किया। अनगिनत सलाहियत की। लेकिन आज तक मेरे हाथ कोई ऐसा नुस्खा नहीं लगा जिसे मैं रामबाण इलाज कहकर सारी दुनिया में प्रचारित-प्रसारित करके अपनी दुकान चला लूं। मेरे अनुभव ने मुझे केवल इतना मात्र सिखाया कि कोई दो भिन्न शरीर उपचार के प्रति एकसमान प्रतिक्रिया प्रदान नहीं करते। दो लोगों में व्याप्त एक ही रोग भी एक समान व्यवहार नहीं करता। आयुर्वेद में तो रोगी की प्रकृति के साथ रोग की प्रकृति और विकृति का भी मापतोल करने का निर्देश है। इतना ही नहीं बल्कि रोग निदान करते समय ऋतु और दिनमान को पढने का विचार भी आयुर्वेद में निर्देशित है। जब रोग तथा रोगी के सम्बन्ध में इतने निर्देश हैं तो विचार करके देखिए, उपचार प्रणाली के चुनाव में कितने निर्देशों का अनुपालन करना बताया गया होगा आयुर्वेद में! ऐसे में किसी को शर्तिया इलाज का झांसा देकर रोगी या उसके तीमारदारों को बरगलाना, आयुर्वेद कम से कम इतना निकृष्ट आचरण तो कतई नहीं सिखाता। तब ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे कौन लोग हैं जो भोली-भाली जनता के मन में शर्तिया इलाज के दावों से भरे कथित रामबाणों का शरसंधान करके उनके जीवन को संकट में डालने का उद्योग रचते हैं? ऐसे कितने ही पीड़ित होंगे इस संसार में जिन्हें इन लोगों ने ठगा ही नहीं बल्कि सर्वस्व लूट कर उन्हें धीमी मृत्यु की ओर अग्रसर तो किया ही, साथ ही कलंक का टीका आयुर्वेद के माथे मढ़ दिया। देश में वायदा बाजार पर नकेल कसने के लिए नियम और कानूनों की कमी तो कोई नहीं लेकिन सामने वाले के रसूख और बाजार में उसकी उपादेयता के सामने सभी नियम-कानून बौने पड़ जाते हैं। तंबुओं के बाहर शर्तिया इलाज का आयुर्वेदिक दवाखाना के बोर्ड टंगे रहते हैं।

तंबुओं के भीतर हिमालय के गर्भ से प्राप्त दुर्लभ जड़ी-बूटियों का बाजार सजा रहता है। अब तो ये दुकानें कॉर्पोरेट साईज में सेबी पर एनलिस्टिड फर्मों की हैसियत भी रखती हैं और जानलेवा बीमारियों के लिए शर्तिया इलाज वाली दवा-गोलियां धड़ल्ले से बाजार में बेचती हैं। ऐसी दवा खाकर जीवन को पोंजी स्कीमों में निवेश कर देने वालों की इस देश में कमी कोई नहीं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो ऐसी दवाओं को राष्ट्रभक्ति के नाम पर पेट के हवाले कर देते हैं। ऐसा करने का उनके पास तर्क भी है : 'आयुर्वेद का कोई साइड इफेक्ट तो है नहीं!' मेरी नजर में आत्महत्या के लिए इससे बड़ा और कोई कुतर्क नहीं दिया जा सकता। जीवनशैली से संबंधित रोगों के लिए यदि कोई दवा ईजाद हो चुकी होती तो मैं यह दावे से कह सकता हूं कि ऐसे शोध का नवोन्मेष निश्चित ही आयुर्वेद के नाम पर लिखा होता। दुर्भाग्य केवल इस बात का है कि यदि रोग ही खराब जीवन-शैली के कारण उपजा है तो ऐसे रोग की रोकथाम निश्चित तौर पर दवा-गोलियों के माध्यम से तो नहीं ही की जा सकती। जीवनशैली में सुधार ही एकमात्र उपाय है। तथा इस सुधार का अर्थ एकाध रोज सांस अंदर-बाहर खींच लेना नहीं। चंद दिनों के सुधार से आप कुछ न हासिल कर पाएंगे। अनुपालन योग्य जीवनशैली को नियम बनाना होगा।

आयुर्वेद की छवि मटियामेट करने में इस प्रकार के झूठे दावों का बड़ा हाथ है। बिना वैज्ञानिक पुष्टि किए इन्हीं दावों के कारण जीवन के परिरक्षण में महारत हासिल एक विज्ञान को इतने अधिक बुरे दिन देखने पड़े जितने कि अंग्रेजी शासन के दौरान इस विधा ने नहीं देखे थे। एक तथ्यात्मक बात है, इस संसार में अमरता का कोई ज्ञान उपलब्ध नहीं है। जो कोई इस संसार में आया है, उसका जाना भी तय है। इसलिए दीर्घायु के दावे करना और दीर्घायु का कोई जोड़ खोज निकालने का दंभ भरना, अपनी दुकान चला लेने की दृष्टि से यह एक अनोखा अनुप्रयोग भले हो सकता है, लेकिन यह वैज्ञानिक दृष्टि में जीवन किसी पोंजी स्कीम में लगा डालने जैसा है जिसके अंत में अपना ही नुकसान होना तय है।

आप का नजरीया

बाबा 'एलोपैथी' विरोधी क्यों?

बाबा रामदेव कई मायनों में श्रद्धेय हैं। कमोबेश इस दौर के 'योग-पुरुष' हैं, जिन्होंने एक कड़ी साधना को इतना आसान बना दिया है कि औसत पार्क या सभा-स्थलों पर असंख्य लोग योगासन करते देखे जा सकते हैं। नतीजतन स्वास्थ्य में भी सुधार हो रहा है। ऐसे 'योग-साधक' को सर्वोच्च अदालत में माफीनामा देना पड़े और न्यायिक पीठ उसे स्वीकार करने के बजाय महज 'जुबानी जमा खर्च' करार दे, तो शीर्ष अदालत की इस कड़ी चेतावनी को समझना बेहद जरूरी है। बाबा की कंपनी 'पतंजलि आयुर्वेद' एक लंबे समय से भ्रामक प्रचार करती रही है कि उसके पास ग्लूकोमा, मधुमेह, रक्तचाप, अर्थराइटिस और अस्थमा सरीखी घातक बीमारियों के स्थायी इलाज हैं। दरअसल बाबा रामदेव ही पतंजलि के उत्पादों के सार्वजनिक चेहरा हैं। विज्ञापनों में वह दावे करते देखे जा सकते हैं कि उनकी औषधियां साक्ष्य आधारित, शोधपरक और लोगों पर परखी जा चुकी हैं। इन विज्ञापनों के व्यापक प्रभाव भी होते हैं, क्योंकि करोड़ों लोगों की बाबा में आस्था है। बाबा के दावों को सच मानते हुए असंख्य लोग पतंजलि की दवाएं खरीदते और इस्तेमाल करते हैं। नतीजतन आज बाबा की कंपनियों का टर्नओवर हजारों करोड़ रुपए है। पतंजलि दवाओं के प्रचार करने के साथ-साथ बाबा रामदेव आधुनिक चिकित्सा प्रणाली 'एलोपैथी' के खिलाफ विष-वमन भी करते रहे हैं। बाबा ऐसा क्यों करते हैं? पतंजलि के अलावा, झंडु, बैद्यनाथ, हमदर्द, डाबर आदि प्रख्यात कंपनियां भी आयुर्वेद औषधियों का व्यापक स्तर पर उत्पादन करती हैं। उन्होंने तो कभी भी 'एलोपैथी' के खिलाफ जहर नहीं उगला। सर्वोच्च अदालत ने इस भ्रामक और गलत प्रचार के लिए बाबा राम

इंडी गठबंधन मतलब भ्रष्टाचारियों का ठिकाना : नरेंद्र मोदी

पटना/नवादा (हिंस)। लोकसभा चुनाव के माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिहार के नवादा पहुंचे। यहां जनता को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी ने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन मतलब भ्रष्टाचारियों का ठिकाना। इंडी गठबंधन यानी देशविरोधी नफरती ताकतों का ठिकाना। इंडी गठबंधन के पास न कोई विजन है, न विश्वविसनीयता। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नवादा के कुंती नगर में भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में इंडी गठबंधन एक उम्मीदवार खड़ा करता है, तो दूसरा नेता कहता है कि वो असली नेता है। यहां तो घमासान मचा है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग दक्षिण भारत अलग करने की बात कहते हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग के विचार हैं। ये घोषणा पत्र नहीं तुष्टिकरण का पत्र है। भ्रष्टाचारियों को छुड़ाने के लिए इंडी गठबंधन बना है। हम कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ, वो कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ। कांग्रेस-

राजद एक भी वोट पाने के हकदार नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राम मंदिर सरकारी तिजोरी से नहीं बना, बल्कि लोगों के चंदे से बना है। किसी ने 5, किसी ने 10 रुपए दिए। विपक्ष ने कहा कि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाएंगे। क्या ये शोभा देता है। और जब उनकी पार्टी के कुछ लोग राम मंदिर आ गए, तो पार्टी से 6 साल के लिए निकाल दिया। ये पाप करने वालों को भूलना मत। मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों को लंबे समय तक जंगलराज में जीवन गुजारना पड़ा। बिहार में एक वह भी समय था कि हर मां अपनी बेटियों के घर से बाहर निकलने पर डरती थीं। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। नीतीश कुमार और सुशील मोदी के प्रयासों से बिहार उन परिस्थितियों से बाहर निकला है। अब हर बहन के पास मोदी की गारंटी भी है। अब मोदी की गारंटी है कि गांव की तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी देश से गरीबी खत्म करने के मिशन में जुटा है। मैं भी आपकी तरह ही गरीबी को जी कर यहां आया हूं। मैं कभी भूल नहीं सकता कि 2014 के पहले देश की क्या स्थिति थी, करोड़ों देशवासियों के पास न घर था, न शौचालय था और न पीने के लिए स्वच्छ पानी। अस्पताल में इलाज के लिए गरीबों को दर-दर भटकना पड़ता था। गरीबी का बेटा मोदी गरीब का सेवक है। मैं जब तक गरीबी दूर नहीं कर लूंगा तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। बीते दस वर्षों में जो काम हुआ वह आजादी के छह दशकों में भी नहीं हुआ था। जब नीयत सही होती है और हौसले बुलंद होते हैं तो नतीजे भी मिलते ही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साथियों मैंने लाल किले से कहा था कि यही समय है और सही समय है। हमलोग मिलकर काम करें तो भारत विकसित हो सकता है। अपनी गरीबी दूर कर सकता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं है। इसलिए 2024 का लोकसभा चुनाव काफी अहम हो गया है। बीते 10 साल में बिहार के लोगों ने देशहित में लिए गए अनेक बड़े निर्णय देखे हैं। आज बिहार में आधुनिक एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। रेलवे का आधुनिकीकरण हो रहा है। वंदे भारत जैसी ट्रेनें बढ़ रही हैं। आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। यह सब आपके वोट के कारण हो रहा है। मोदी ने कहा कि मैं नवादा के लोगों को नमन करता हूं। मैं सभी महान विभूतियों को नमन करता हूं। नवादा ने हमेशा भाजपा को, एनडीए को अपना भरपूर प्यार और आशीर्वाद दिया है। मैं देख रहा हूं कि आपका प्यार बता रहा है कि नवादा के साथ-साथ पूरे बिहार में एनडीए का परचम लहराने जा रहा है। पिछले 10 साल में जो काम हुए हैं, आज उसकी झलक दिख रही है। आज पूरा देश कह रहा है कि फिर एक बार एनडीए सरकार।

महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी

जम्मू (हिंस)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने रविवार को पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित अपने तीन नेताओं को तीन संसदीय क्षेत्रों से उम्मीदवार के रूप में नामित किया। महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष सरताज मदनी ने श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया गया है कि पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। पार्टी के युवा अध्यक्ष वाहिद-उर-रहमान पारा श्रीनगर सीट से और पूर्व सांसद फैयाज मीर उत्तरी कश्मीर के बारामूला क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरेंगे।

सड़क हादसे में तीन की मौत, मचा कोहराम

नवादा (हिंस)। नवादा में रविवार का दिन हादसों वाला रहा है। यहां अलग अलग हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मरनेवालों में 15 साल का किशोर भी शामिल है। बताया गया कि वह अपने मां पिता का इकलौता बेटा था। नवादा जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के माखर गांव के समीप तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक बघना गांव निवासी जाकिर हुसैन है। बताया जा रहा है कि जाकिर हुसैन दवा लाने के लिए माखर गांव आया था। इस बीच सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इसके बाद थाना प्रभारी पंकज कुमार सैनी ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंपा दिया। सिरदला थाना क्षेत्र के बगाना गांव के पास सड़क हादसे में नरेश चौधरी का 15 वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार की मौत हो गई। वह घर से 500 मीटर दूरी पर सामान लाने के लिए जा रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसके कारण घटना स्थल पर ही बालक की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही सिरदला थाना अध्यक्ष संजीत राम दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर सख्त से सख्त करवाई का आश्वासन दिया। रूपौ मध्य विद्यालय के समीप तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक विशुन पासवान है।

जाति पर नहीं, मोदी की गारंटी पर वोट करेगी जनता : बीएल वर्मा

प्रतापगढ़ (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने रविवार को कहा कि इस लोकसभा के चुनाव में जनता जाति पर नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की गारंटी पर वोट करेगी, मोदी सरकार के 10 वर्ष की उपलब्धियों पर वोट देगी। केंद्रीय राज्यमंत्री वर्मा प्रतापगढ़ के वृंदावन रिजॉर्ट सिटी में सोशल मीडिया लोकसभा वॉलंटियर्स सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप हमारे सोशल मीडिया वारियर्स हैं। आज मोदी जैसा व्यक्तित्व पूरे विश्व में कहीं नहीं है, भाजपा के लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है कि वह हमारे नेता हैं, प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि सोशल मीडिया के कार्यकर्ताओं की बदौलत ही आज भाजपा का फैलाव इतने बड़े स्तर पर हो चुका है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंच चुकी हैं और लोग उससे लाभान्वित हो रहे हैं, फिर चाहे वह मुफ्त राशन हो, उज्ज्वला गैस कनेक्शन अथवा शौचालय हो। उन्होंने कहा कि पिछले 70 सालों में जितने हाई-वे नहीं बने थे उतने मोदी के 10 वर्ष में बन गए। भाजपा अपने वादों को लेकर भी संकल्पित है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव, जिला प्रभारी कौशलेंद्र सिंह पटेल, सांसद संगम लाल गुप्ता, लोकसभा प्रभारी सुशील उपाध्याय, क्षेत्र संयोजक सोशल मीडिया अरविंद पांडेय एवं जिला संयोजक सोशल मीडिया अंकित तिवारी समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजक सोशल

अखिलेश यादव को 2016-17 में खटकने वाले अंसारी परिवार अब बने आंख के तारे

गाजीपुर/मऊ (हिंस)। बांदा जेल में हार्ट अटैक आने के बाद इलाज के दौरान अस्पताल में मुख्तार अंसारी की मौत के बाद से ओवैसी से लेकर अखिलेश यादव तक का मुख्तार अंसारी के घर आना व परिजनों से भेंट करते हुए कब्र पर फूल चढ़ाना मुख्तार अंसारी परिवार के राजनैतिक प्रभाव को भी साबित करता नजर आने लगा है। कभी मुख्तार के नाम पर अखिलेश ने शिवपाल को नाराज कर दिया था, जिससे खुद की पार्टी में दो फाड़ हो गई थी। वही आज खुद अखिलेश ने मुख्तार की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना किया। इस दौरान अखिलेश यादव द्वारा मुख्तार के मौत को असामान्य बताते हुए हत्या और साजिश बताया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज के निगरानी में जांच की मांग भी उठाई। बातचीत के दौरान पत्रकारों द्वारा 2016-17 में अखिलेश यादव के अंसारी परिवार के प्रति नाराजगी के सवाल उठाए जाने पर अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति हमेशा वर्तमान परिस्थिति में होती है। वर्ष 2017 विधानसभा चुनाव को याद करें तो शिवपाल यादव की अंसारी परिवार से काफी नजदीकियां

देख अखिलेश यादव बौखला गए थे। उस समय उन्होंने सरेआम बयान देते हुए कहाकि समाजवादी पार्टी किसी अपराधी को टिकट नहीं देगी। विवाद इतना अधिक बढ़ गया था कि शिवपाल यादव को सपा छोड़ नई पार्टी बनानी पड़ी थी। तब मुख्तार अंसारी का परिवार भी समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हो पाया था और उन्हें बसपा की शरण लेनी पड़ी थी। उस चुनाव में पूर्वांचल में सपा की करारी हार के बाद अखिलेश यादव को अंसारी परिवार के राजनीतिक ताकत का अंदाजा हआ। उसके बाद 2019 लोकसभा चुनाव में सपा बसपा गठबंधन के तहत मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी गाजीपुर से बसपा के तरफ से लोकसभा प्रत्याशी बने थे। तब भी अखिलेश यादव अफजाल के पक्ष में जनसभा करने काफी ज्यादा जद्दोजहद के बाद पहुंचे थे उस समय भी वह अंसारी परिवार से अपनी दूरियां दिखा रहे थे। लेकिन तब तक उन्हें अंसारी परिवार के रसूख का अंदाजा हो गया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश ने गाजीपुर की मोहम्मदाबाद विधानसभा से मुख्तार के भतीजे शोएब अंसारी मन्नू को सपा से वहीं मुख्तार के बड़े बेटे अब्बास अंसारी को मऊ जनपद की सदर सीट से अपने गठबंधन सुभासपा का प्रत्याशी बनाया। जबकि सबसे बड़ी बात यह की लोकसभा 2024 में अफजाल अंसारी के बसपा सांसद रहते हुए ही अखिलेश यादव ने उन्हें सपा द्वारा गाजीपुर लोकसभा का प्रत्याशी घोषित कर दिया। अब मुख्तार की मौत के बाद वह अंसारी के घर संवेदना प्रकट करते नजर आए। अंसारी परिवार के अगर राजनीतिक ताकत की बात करें तो पूर्वांचल के गाजीपुर, घोसी, जौनपुर, बलियां, लालगंज, आजमगढ़ सहित आधा दर्जन से अधिक सीटों पर सीधा प्रभाव है। वहीं खुद मुख्तार अंसारी 2009 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी संसदीय सीट से मुरली मनोहर जोशी से बहुत कम अन्तर से चुनाव हारे थे।

लालू-राबड़ी राज कभी नहीं भूलिएगा : सीएम नीतीश

पटना/नवादा (हिंस)। प्रधानमंत्री के नवादा में राजग गठबंधन उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में रैली करने के दौरान सीएम नीतीश ने मंच से अपने संबोधन में कहा कि बिहार के विकास में केंद्र सरकार के द्वारा बहुत सहयोग मिलता है। इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हैं। याद करिए जब हम लोग 2005 में आए थे और 2006 से सारा काम शुरू हुआ। खाली याद रखिएगा, जो कम उम्र के लोग हैं, वो भूल गए हैं। अपने बाल-बच्चों को भी बताइए। 2005 से पहले बिहार में क्या हाल था। सीएम नीतीश ने लालू-राबड़ी राज के दिनों को याद दिलाया और उसे नहीं भूलने की सलाह दी। सीएम ने कहा कि आप शाम को घर से बाहर नहीं निकलते थे। उसको तो याद नहीं है। अब सब लोग शाम को चहल रहे हैं। आने-जाने का कोई रास्ता नहीं था। हम लोग 18 वें साल में है। इससे पहले उन्हें मिला था 15 साल, पति-पत्नी राज किए, कोई काम हुआ था, कुछ नहीं हुआ था। पहले की स्थिति पूरे तौर पर लोगों को मालूम होना चाहिए था। कितना विवाद और झगड़ा होता था, हिंदू-मुस्लिम में भी खूब झगड़ा। 2006 के बाद कोई झगड़ा होता है। जब हम लोग आए तो सबको एकजुट किया। काम करने वालों को वोट दीजिए। 2010 के चुनाव में 50 फीसदों मुस्लिमों ने एनडीए को वोट दिया था। पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिर्फ एक महीने में 30-40 लोग आते थे। अब साल में एक हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए आ रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार के विकास में केंद्र सरकार के द्वारा बहुत सहयोग मिलता है, तमाम कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हैं। याद करिए जब हम लोग 2005 में आए थे, और 2006 से सारा काम शुरू हुआ। खाली याद रखिएगा, जो कम उम्र के लोग हैं, वो भूल गए हैं। अपने बाल-बच्चों को भी बताइए। 2005 से पहले बिहार में क्या हाल था। आप शाम को घर से बाहर नहीं निकलते थे। उसको तो याद नहीं है। अब सब लोग शाम को चहल रहे हैं। आने-जाने का कोई रास्ता नहीं था। हम लोग 18वें साल में है। इससे पहले उन्हें मिला था 15 साल, पति-पत्नी राज किए, कोई काम हुआ था, कुछ नहीं हुआ था। पहले की स्थिति पूरे तौर पर लोगों को मालूम होना चाहिए था। कितना विवाद और झगड़ा होता था, हिंदू-मुस्लिम में भी खूब झगड़ा। 2006 के बाद कोई झगड़ा होता है। जब हम लोग आए तो सबको एकजुट किया। काम करने वालों को वोट दीजिए। 2010 के चुनाव में 50 फीसदों मुस्लिमों ने एनडीए को वोट दिया था। पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिर्फ एक महीने में 30-40 लोग आते थे। अब साल में एक हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए आ रहे हैं। मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जनता के संकल्प को पूरा कर रहे हैं। आज मोदी जी गारंटी बन गए हैं। बिहार में अब डबल इंजन की सरकार है। अब माफिया, अपराधियों को बिहार से बाहर जाना होगा। गरीबों के लिए 5 किलो अनाज तो आयुष्मान भारत के माध्यम से 5 लाख का इलाज भी दिया है। नवादा की जनता पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करें। मौके पर चिराद पासवान ने कहा कि आने वाला चुनाव हमारे 5 साल का भविष्य तय करेगा। विपक्ष समाज को बांटने वाले मुद्दे उठाता रहा है। लेकिन आज देश के इंफ्रास्ट्रक्चर की बात होती है। बिहार युवा प्रदेश है, युवाओं को अपनी ताकत पहचानने की जरूरत है, प्रधानमंत्री ने कभी युवाओं में मतभेद नहीं की। सबके साथ, सबके विकास की बात की। प्रधानमंत्री को मजबूती देने की जरूरत है। रामविलास जी ने विकसित देश, विकसित बिहार का सपना देखा था, जिसे पीएम मोदी साकार कर रहे हैं।

राजनैतिक दलों को प्रचार-प्रसार के लिए दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के केंद्रों पर प्रसारण का समय आवंटित

लखनऊ (हिंस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा प्रदेश की विधानसभा उप निर्वाचन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय राजनैतिक दलों को दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के केंद्रों पर प्रसारण समय आवंटित किया गया है। 06 राष्ट्रीय दलों तथा उत्तर प्रदेश के 02 राज्य स्तरीय दलों को दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रचार-प्रसार के लिए समय की न्यायसंगत हिस्सेदारी का आवंटन किया गया है। यह सुविधा पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों या किसी स्वतंत्र अभ्यर्थी को उपलब्ध नहीं होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की लोकसभा निर्वाचन तथा विधानसभा उप चुनाव के लिए राष्ट्रीय दलों एवं राज्य स्तरीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए समय निर्धारित कर दिया गया है। इसमें राष्ट्रीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल पर प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है। इसमें भारतीय जनता पार्टी को 241 मिनट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 148 मिनट, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी) को 54 मिनट, आम आदमी पार्टी को 47 मिनट, नेशनल पीपुल पार्टी को 45 मिनट, बहुजन समाज पार्टी को 64 मिनट का समय आवंटित किया गया है। इसी प्रकार राष्ट्रीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रचार-प्रसार हेतु कुल 15 घंटे का समय आवंटित किया गया है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी को 362 मिनट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 222 मिनट, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी) को 81 मिनट, आम आदमी पार्टी को 71 मिनट, नेशनल पीपुल पार्टी को 68 मिनट, बहुजन समाज पार्टी को 96 मिनट समय आवंटित किया गया है। इसी प्रकार दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्रों और राज्य राजधानी केंद्र पर प्रचार-प्रसार के लिए राज्य स्तरीय पार्टियों में समाजवादी पार्टी को 53 मिनट तथा अपना दल (सोनेलाल) को 27 मिनट आवंटित किए गए हैं।

कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष बने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य क्षेत्रीय दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं। सभी दल चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को जिताने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए चुनावी नियुक्तियां की जा रही है। अब कांग्रेस ने राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर कैम्पेन कमेटी का गठन किया है। कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बनाए गए हैं। जबकि, को-चेयरमैन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को बनाया गया है। कमेटी में कन्वीनर प्रतापसिंह खाचरियावास और को कन्वीनर अशोक चांदना व रफीक खान को बनाया गया है। कैम्पेन कमेटी के 32 सदस्यीय कमेटी में 28 सदस्य बनाए गए हैं।

गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी कांग्रेस : योगी

भरतपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान की चुनावी सभा में पहुंचे। उनकी पहली जनसभा भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में हुई। यहां से पूर्व सांसद व भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के लिए वोट की अपील करते हुए कहा कि *अबकी बार 400 पार* के लिए रामस्वरूप कोली को भी विजयी बनाना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की मोदी व राज्य की भजनलाल सरकार के कार्यों के बलबूते भाजपा के पक्ष में मतदान का आग्रह किया तो वहीं कांग्रेस को निशाने पर रखा। साथ ही राजस्थान विधानसभा चुनाव में कमल खिलाने के लिए राजस्थान वासियों के प्रति आभार जताया। सभा में कांग्रेस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि एक तरफ *द गार्डियन* की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान के अंदर चुन-चुनकर आतंकवादी मारे जा रहे हैं। दुनिया आतंकवाद को बोझ मान रही है। समाज के बोझ यह आतंकवादी मारे ही जाने चाहिए। यह सबकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं, लेकिन कांग्रेस अपनी सरकार के समय गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी। वहीं मोदी जी चार साल से 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन की सुविधा दे रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं को ध्यान में रखकर अपनी योजनाओं को बनाते हुए कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया की ताकत बन रहा है। दो-तीन दिन पहले इंग्लैंड के प्रतिष्ठित समाचार *द गार्डियन* की रिपोर्ट ने बताया कि पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत अपराधी मारे गए हैं। हो सकता है कि यह भारत ने मारे हो, लेकिन कल तक आतंकवादियों को प्रश्रय देने वालों में से किसी की भी हिम्मत नहीं कि वे भारत के खिलाफ बोलने की ताकत कर सकें। नया भारत अपने नागरिकों व सीमाओं की सुरक्षा करना जानता है। राजस्थान के लोग सिर्फ राम-राम सा ही नहीं करते, बल्कि सीमा की सुरक्षा में सेंध लगाने आतंकियों का राम नाम सत्य भी कर देते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के नागरिकों का दुनिया में सम्मान बढ़ा है। नक्सलवाद, उग्रवाद व आतंकवाद समाप्त हुआ है। 1952 में देश को धारा-370 का दंश देने वाली कांग्रेस के इस फैसले को पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने सदैव के लिए समाप्त कर दिया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस की नीयत साफ नहीं थी। इनके समय नीति, नेता और निर्णय नहीं हो पाते थे पर मोदी सरकार में बनी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। सीएम ने केंद्र सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाते हुए कहा कि भाजपा शासन में सुरक्षा, समृद्धि और विकास हो रहा है। कांग्रेस के लोग अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं करा पाते। वे कहते थे कि राम हुए ही नहीं। भरतपुर के बगल में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन है, फिर भी कांग्रेस के लोग कहते हैं कि कृष्ण हुए ही नहीं। कांग्रेसी हमारे इतिहास व विरासत पर प्रश्न खड़ा करते हैं। सीएम ने आह्वान किया कि विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान चाहिए। विकसित राजस्थान के लिए विकसित भरतपुर और विकसित भरतपुर के लिए रामस्वरूप कोली चाहिए। राजस्थान की ओर से 25 मनकों की जो माला जानी है, उसमें भरतपुर की भी एक माला होनी चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोग समृद्ध विरासत के उत्तराधिकारी हैं। महाराज सूरजमल ने औरंगजेब के छक्के छुड़ाते हुए मुगल सेनाओं के किले में भूसा भरवा दिया था। उन्होंने मुगलों को औकात दिखाते हुए कहा था कि भारत को रौंदने का सपना देखने वालों, अब यही भूसा खाओ। मुगल सेना उनके सामने नाक रगड़ने को मजबूर हो गई थी। गरीबों के हितों पर डकैती डालने वाले कांग्रेसियों को भी अब सही जगह दिखाने की आवश्यकता है। समृद्ध-पराक्रमी परंपरा का वारिस विभाजनकारी राजनीति को प्रश्रय नहीं दे सकता। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। एक तरफ महाराज सूरजमल की समृद्ध विरासत है तो दूसरी तरफ किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर पीएम मोदी ने सम्मान दिया है। सीएम ने कहा कि यूपी में अब कर्फ्यू व दंगा नहीं होता पर धूम-धड़ाके से कांवड़ यात्रा निकलती है। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि वह अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन कर रही है। आपके एक-एक वोट ने देश की तकदीर व तस्वीर को बदला है। आपने वोट का सही इस्तेमाल नहीं किया होता तो न सुरक्षा मिलती, न विकास होता और न ही अयोध्या में राम मंदिर बन पाता। कांग्रेस खुद में समस्या है। आपका एक वोट अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी करता है तो देश की सीमाओं की भी सुरक्षा करता है। कोरोना में जब कांग्रेस व अन्य दलों के लोग गायब थे तो पीएम मोदी अपनी परवाह किए बिना एक-एक राज्यों में जाकर कार्य कर रहे थे।

गाजियाबाद में मुठभेड़ के दौरान दो अपराधी गिरफ्तार

गाजियाबाद (हिंस)। जनपद की क्राइम ब्रांच ने रविवार को मुठभेड़ के दौरान दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एडीसीपी सच्चिदानन्द ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में हर्षित चिकारा निवासी ग्राम खानपुर थाना जॉनी जनपद मेरठ व रोहित चौधरी निवासी हरिकुन्ज कॉलोनी गाजियाबाद का रहने वाला हैं। दोनों ही हत्या, लूट जैसे संगीन मामले में शामिल रहे हैं। इनके कब्जे से अवैध एक पिस्टल 32 बोर मय जिन्दा व खोखा कारतूस .32 बोर, एक तमंचा .315 बोर नाजायज मय जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा की पत्नी की चोरी हुई कार वाराणसी से बरामद, दो गिरफ्तार

वाराणसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पत्नी की चोरी हुई सफेद रंग की फॉरच्यूनर कार रविवार को दिल्ली पुलिस ने वाराणसी से बरामद की। बरामद कार पर सांसद का स्टीकर भी लगा हुआ था। इस मामले में दिल्ली पुलिस की टीम ने दो कार चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार भाजपा अध्यक्ष नड्डा की पत्नी मल्लिका नड्डा की फॉरच्यूनर कार बीते 19 मार्च को दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके से चोरी हुई थी। कार का चालक जोगिंदर सिंह गोविंदपुरी स्थित अपने घर पर लंच करने गया था, तभी वहां से चोरों ने कार उड़ा दी। कार चालक ने पुलिस से संपर्क किया और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर गाड़ी की तलाश शुरू कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में चोरी हुई फॉर्च्यूनर कार को आखिरी बार गुरुग्राम की ओर जाते देखा गया था और उस पर हिमाचल प्रदेश का नंबर लगा था। दिल्ली के दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्तो ने एसीपी दिलीप सिंह एवं जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ता प्रभारी की देखरेख में वाहन की बरामदगी के लिए 12 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम तैयार की। पुलिस टीम पिछले 15 दिनों से कार चोरों के पीछे लगी हुई थी। कार की सटीक लोकेशन मिलते ही पुलिस ने वाराणसी से वाहन को बरामद कर लिया। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद बड़कल निवासी शाहिद और शिवांश त्रिपाठी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ कार को चुराकर ले गए थे। शाहिद ने फरीदाबाद में अपनी पत्नी व बच्चों को भी कार में बैठा लिया। रास्ते में चोरों ने कार की नंबर प्लेट बदल दी। चोर कार को जब उत्तर प्रदेश में लाए तब उन्हें पता लग गया था कि ये भाजपा अध्यक्ष की कार है।

संस्कार भारती की पहल, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नववर्ष का प्रारंभ करेंगे काशीवासी

सुबह 6:30 बजे वन्देमातरम् गायन के साथ कार्यक्रम का समापन

वाराणसी (हिंस)। प्रतिपदा विक्रम संवत-2081 के पहले दिन मंगलवार (09 अप्रैल) को संस्कार भारती, काशी महानगर एवं भृगु योग (ब्रह्म चिंता प्रणाली) ट्रस्ट की ओर से शिवालाघाट पर *नव संवत्सर अभिसिंचन समारोह* का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में सुबह पांच बजे धेय गीत (नृत्य) होगा, प्रात: 5-15 प्रभाती गायन, प्रात: 5:40 सूर्य अर्घ्यदान कर नव संवत का स्वागत वेद पाठ, डमरू वादन, शंख वादन, लोक नृत्य से किया जाएगा। रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्कार भारती, काशी महानगर के अध्यक्ष डॉ. केए चंचल, ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. जयंत कुमार भादुड़ी, नव संवत्सर कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष डॉ. आरवी शर्मा ने संयुक्तो रूप से यह जानकारी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रान्त के प्रांत प्रचारक रमेश का नवसंवत्सर पाथेय के बाद वन्देमातरम् गायन के साथ समापन होगा। पदाधिकारियों ने बताया कि नव संवत्सर के पहले दिन सम्पूर्ण भारत में प्रतिवर्ष लगभग एक हजार संस्कार भारती की इकाइयां कार्यक्रम आयोजित करती है। नव संवत्सर का यह कार्यक्रम काशी में सन 2000 से लगातार किया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में नया साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होता है। भारतीय काल गणना के अनुसार वर्ष का प्रथम दिवस चैत्र शुक्ल

प्रतिपदा वह पुनीत दिवस है। जब सृष्टि का आरंभ एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का राज्याभिषेक हुआ था। प्राचीन काल से ही नव संवत्सर का स्वागत हम चैत्र नवरात्र के रूप में शक्तिो की उपासना और आध्यात्मिक उत्कर्ष के संकल्प के द्वारा करते आए हैं। उन्होंने बताया कि नव संवत्सर की यह अवधारणा अक्षुण बनी रहे, इस दृष्टि से संस्कार भारती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी आनुषांगिक संगठन तथा अन्य हिंदू संगठन विभिन्न सांस्कृतिक-धार्मिक आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति के इस गौरवपूर्ण क्षण और सृष्टि के आरंभ के उत्सव में परिवार सहित नई पीढ़ी को भी शामिल होना चाहिए।

वधावन से जुड़ी फर्म पर ईडी की कार्रवाई 36 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली।
प्रवर्तन निदेशालय के मुंबई जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत एक कुर्की आदेश जारी किया। इस मामले में अब मेसर्स वीणा डेवलपर्स की 36.66 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। यह फर्म एचडीआईएल के प्रमोटर सारंग वधावन और उनके पिता राकेश वधावन से जुड़ी है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पिता पुत्र को मिली जमानत

इससे पहले शुक्रवार को एचडीआईएल के प्रमोटर सारंग वधावन और उनके पिता राकेश वधावन को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी। दोनों पर पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक में धोखाधड़ी का आरोप है। जस्टिस मोदक की पीठ ने ईडी और मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले में एचडीआईएल के प्रमोटरों को जमानत दी है। कोर्ट ने दोनों को पांच-पांच लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने का आदेश दिया था।

कब क्या हुआ

आपको बता दें कि राकेश वधावन और सारंग वधावन को पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक में धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 9 अप्रैल 2021 को प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए वधावन बंधुओं की 77.65 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली।

तीन अप्रैल 2022 को दिल्ली की अदालत ने वधावन बंधुओं की जमानत अर्जी खारिज की

26 अक्टूबर 2023 को कपिल वधावन और धीरज वधावन की 70 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की हीरे के आभूषण और फ्लैट समेत संपत्ति कुर्क की गई।

न्यूज ब्रीफ

आदित्य बिड़ला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाएगी वोडाफोन आइडिया

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से बदहाल टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया अब फंड जुटाने की कोशिश में है। इसमें उसे कुछ सफलता भी मिली है। कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने प्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। साथ ही, उसे ऑथराइज्ड शेयर कैपिटल को 1 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने की इजाजत भी मिल गई है। अब शेयरधारकों की मंजूरी का इंतजार वोडाफोन आइडिया ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वह मौजूदा प्रस्तावों पर 8 मई को एक श्वत्नरूमें शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। इससे पहले कंपनी को 2 अप्रैल की ईजीएम में सिक्योरिटीज जारी करके 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की इजाजत मिली थी। वोडाफोन आइडिया का इक्विटी और डेट (कर्ज) के जरिए 45,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। कंपनी पर बैंक कर्ज फिलहाल 4,500 करोड़ रुपये के आसपास है। पूंजी का क्या करेगी वोडाफोन आइडिया वोडाफोन आइडिया टेलीकॉम मार्केट में फिलहाल रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से काफी पीछे है। ऐसे में वह इक्विटी और डेट से जुटाई रकम का इस्तेमाल अपनी सेवाओं को बेहतर करने में करेगी, ताकि वह जियो और एयरटेल का मुकाबला कर सके। वोडाफोन आइडिया का फोकस 4जी कवरेज बढ़ाने और 5जी नेटवर्क रोलआउट करने पर है। वह अपनी क्षमता को भी बढ़ाना चाहती है। वोडाफोन आइडिया का शेयर प्राइस आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार (5 अप्रैल) को वोडाफोन आइडिया का शेयर प्राइस 13.35 रुपये था। पिछले 6 महीने में शेयर ने निवेशकों को 22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इसमें 117 प्रतिशत का उछाल आया है। हालांकि, इस साल यानी 2024 में अब तक वोडाफोन आइडिया के शेयर में 21 फीसदी की गिरावट आई है। कंपनी के फंड जुटाने की पहल से सोमवार को इसके शेयरों में हलचल दिख सकती है।

ट्रेन में सफर के दौरान निर्धारित सीमा से ज्यादा लगेज मिला तो लगेगा जुर्माना, प्रतिबंधित सामान ले जाने पर हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली । ट्रेन के डिब्बे में भी सामान ले जाने की एक सीमा है। इस सीमा का निर्धारण भार और आकार के आधार पर किया गया है। साथ ही हर श्रेणी में लगेज साथ ले जाने के लिए नियम भी अलग हैं। निर्धारत सीमा से ज्यादा सामान लेकर अगर कोई यात्री डिब्बे में चढ़ता है तो रेलवे उससे जुर्माना वूसलता है। अगर किसी के पास ज्यादा सामान है तो रेलवे उस सामान को ट्रेन के साथ ही लगने वाली लगेज वैन में रखने की भी सुविधा देता है। ट्रेन की टिकट बुक कराते समय ही लगेज भी बुक कराया जा सकता है। रेलवे स्टेशन पर स्थित पार्सल कार्यालय से टिकट बुक करने के बाद भी आप सामान लगेज वैन में रखने के लिए बुकिंग कर सकते हैं। ट्रेन की अलग-अलग श्रेणियों में यात्री 40 किलो से लेकर 70 किलो तक भारी सामान अपने साथ ट्रेन के डिब्बे में रख सकते हैं। स्लीपर क्लास में 40 किलोग्राम तक वजन अपने साथ ले जा सकते हैं। एसी टू टीयर में 50 किलो तक सामान ले जाने की छूट है। फर्स्ट क्लास एसी में 70 किलो तक सामान यात्री अपने साथ कोच में ले जा सकते हैं। इससे ज्यादा सामान पाए जाने पर जुर्माना वसूला जाता है। रेल में किसी भी तरह के ज्वलनशील और बदबूदार पदार्थों सहित कई तरह का सामान ले जाने पर प्रतिबंध है. आपत्तिजनक वस्तुएं, विस्फोटक, खतरनाक ज्वलनशील वस्तुएं, खाली गैस-सिलेंडर, मरी मुर्गियां, तेजाब आदि वस्तुएं प्रतिबंधित हैं। यदि कोई यात्री प्रतिबंधित वस्तुओं में किसी तरह की वस्तु यात्रा के दौरान साथ लेकर जा रहे हैं तो रेलवे एक्ट की धारा 164 के तहत उस यात्री पर कार्रवाई की जा सकती है।

विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने दिया इस्तीफा, श्रीनिवास पल्लिया बने नए कंपनी के नए सीईओ

नई दिल्ली । दिग्गज टेक कंपनी विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने अपना इस्तीफा दे दिया है। कंपनी की फाइलिंग में जानकारी मिली है कि 31 मई को थिएरी डेलापोर्टे को कंपनी से रिलीव कर दिया जाएगा। कंपनी ने थियरी के इस्तीफे के बाद तुरंत प्रभाव से श्रीनिवास पल्लिया को नया चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में की नियुक्त कर दिया है। बता दें कि थिएरी ने का 5 साल का कार्यकाल जुलाई 2025 में खत्म होना था लेकिन उन्होंने पहले ही इस्तीफा दे दिया।

रिलायंस की मार्केट वैल्यू 38 हजार करोड़ से ज्यादा गिरी

एचडीएफसी की 76,880 करोड़ वैल्यू बढ़ी , पिछले हफ्ते शेयर मार्केट की टॉप-10 कंपनियों में 4 गेनर

नई दिल्ली।
शेयर बाजार में लिस्टेड मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 में से 6 कंपनियों की कंबाइंड मार्केट-वैल्यू में पिछले हफ्ते 78,127.48 करोड़ की कमी आई है। इनमें देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप सबसे ज्यादा 38,462.95 करोड़ गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप अब 19.76 लाख करोड़ हो गया है। रिलायंस के अलावा, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिसि, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप इस दौरान कम हुआ है। वहीं, एचडीएफसी बैंक पिछले हफ्ते मार्केट का टॉप गेनर रहा है। इसका मार्केट कैप 76,880.74 करोड़ बढ़ा है।

अब कंपनी का मार्केट कैप 11.77 लाख करोड़ रुपए है। इसके अलावा लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की मार्केट वैल्यू 49,208.48 करोड़, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की 34,733.64 करोड़ और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 10,486.42 करोड़ बढ़ी है।

आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में मामूली बढ़त रही

बीते हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन (5 अप्रैल) को शेयर बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 20 अंक की बढ़त के साथ 74,248 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में कोई बढ़त या गिरावट नहीं रही। ये फ्लैट 22,513 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी देखने को मिली।

एक दिन पहले यानी 4 अप्रैल को शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 74,501 का और निफ्टी ने 22,619 का स्तर छुआ था। एचडीएफसी बैंक के शेयर में 3.15 प्रतिशत की तेजी रही थी।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

अच्छी खबरः ईवी की ब्रिकी 41 प्रतिशत बढ़ी, 1.66 मिलियन ईवी की सेल दर्ज

मुंबई ।
भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री इस साल 66 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राज्य की सब्सिडी और सहायक बुनियादी ढांचे के विकास के कारण ईवी की सेल में तेजी देखने को मिलेगी, इसी के साथ साल 2024 के आखिर तक ईवी कुल पीवी बाजार का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा होगा।

रिपोर्ट में अनुमान जाहिर किया गया हैं कि साल 2030 तक, ईवी भारत के निजी वाहन बाजार में लगभग एक तिहाई हिस्सेदारी बना लेगी। भारतीय ईवी सेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2024 में ईवी के विभिन्न प्रकार के वाहनों में रिकॉर्ड बिक्री हुई। बिक्री में सालाना 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और 1.66 मिलियन ईवी की सेल दर्ज की गई। मार्च के महीने में 197,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री के साथ एक नया रिकॉर्ड बना, ऐसा माना जा रहा है कि ये रिकॉर्ड सेल फेम सब्सिडी योजना से लाभ उठाने की भीड़ के कारण था, जो कि आंशिक रुप से समाप्त होने वाली है।

फेम को बदलने के लिए, मोदी सरकार ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम 2024 शुरू की है, जिसमें इलेक्ट्रिक दो और तीन-पहिया वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह योजना इस वर्ष अप्रैल से जुलाई के अंत तक वैध है। डेटा में कहा गया है कि अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक, भारत में 1,665,270 ईवी की खरीद देखी गई, हर दिन औसतन 4,562 ईवी की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की 3,242 दैनिक बिक्री से एक महत्वपूर्ण उछाल है। भारतीय ईवी बाजार में टाटा मोटर्स टॉप पर हैं, जिनके पास 2023 में दो-तिहाई से अधिक बाजार हिस्सेदारी थी। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और बीवाईडी हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रभावशाली ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्यूवी 400 के साथ पिछले साल लगभग 2,500 प्रतिशत की ईवी बिक्री वृद्धि दर्ज की। बीवाईडी ने अपने दो वाहनों ई6 एमपीवी और ऑटो 3 एसयूवी के साथ 2023 में 1500 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की। कारों के अलावा, साल-दर-साल 29 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सभी ईवी बिक्री में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत रही, जबकि तिपहिया वाहनों में 57 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और बिक्री में 38 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही।

98 प्रतिशत पायलटों ने नए अनुबंध पर किए हस्ताक्षर : कन्नन

नई दिल्ली।
घरेलू विमानन कंपनी विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने कहा कि एयरलाइन को इस हफ्ते के अंत तक इस महीने के लिए परिचालन स्थिर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 98 फीसदी से ज्यादा पायलटों ने नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

एयरलाइन को पायलटों की कमी के कारण इस हफ्ते की शुरुआत में पूर्ण सेवा के संचालन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था और कई उड़ाने रद्द कर दी गईं थीं। कन्नन ने एक बयान में कहा कि पिछले तीन दिनों में स्थिति पहले से बेहतर हो गई है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस सप्ताह के अंत तक अप्रैल 2024 की शेष अवधि के लिए हमारा परिचालन स्थिर हो जाएगा।

पायलटों के लिए नए अनुबंध पर उन्होंने कहा कि कुछ पायलटों की चिंताएं हैं और अनुबंध को लेकर कुछ सवाल हैं। विस्तारा के सीईओ ने कहा कि एयरलाइन चिंताओं को हल करने के लिए उनके साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि 98 फीसदी से ज्यादा पायलटों ने नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। विस्तारा के पास करीब 1,000 पायलट हैं।

सूत्रों ने पहले कहा था कि पायलटों के एक वर्ग ने नए अनुबंध के बारे में चिंता जताई है, जिसके चलते वेतन में संशोधन होगा। कन्नन ने कहा, हम अपने ग्राहकों को हुई असुविधा को स्वीकार करते हैं और इसके लिए उनसे माफी मांगते हैं। हम युद्ध स्तर पर इस मुद्दे को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने बी787-9 ड्रीमलाइनर और ए321नियो विमान जैसे बड़े विमानों को चुनिंदा घरेलू मार्गों पर तैनात किया है। ताकि, जहां भी संभव हो, वहां अधिक ग्राहकों को समायोजित किया जा सके। इसके अलावा, हम रिफंड और मुआवजे की पेशकश करने के लिए पिछले हफ्ते में देरी और टिकट रद्द होने से प्रभावित सभी ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं।

डिजिटलाइजेशन को लेकर यूएनजीए अध्यक्ष ने की भारत की तारीफ, कहा- तकनीक और निवेश देखकर हैरान हूं

न्यूयॉर्क ।
भारत में तेजी से हो रहे डिजिटलाइजेशन का संयुक्त राष्ट्र सभा भी मुरीद हो गया है। भारत की तारीफ करते हुए संयुक्त राष्ट्र सभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा इससे भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही गरीबी को कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अन्य देशों को भी इससे देखना चाहिए। मेरा मानना है कि इसे वैश्विक समुदाय के साथ साझा किया जा सकता है।

भारत में डिजिटलाइजेशन का मुरीद हुआ संयुक्त राष्ट्र महासभा

भारत में डिजिटलाइजेशन का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि जब भी मैं भारत के बारे में सोचना हूं तो मुझे अतुल्य भारत याद आता है। जब मैं वहां था तब मैंने इसे देखा था। मैं उल्लेख कर सकता हूं कि भारत में डिजिटलाइजेशन का बेहतरीन इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि फ्रांसिस इस साल 22-

26 जनवरी तक आधिकारिक यात्रा पर भारत में थे। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की और जयपुर और मुंबई की यात्रा भी की थी। यात्रा के दौरान उन्होंने सरकारी अधिकारियों समेत लोगों से चर्चा की थी, जिसमें तकनीक और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसा मुद्दा केंद्र में था। जिसके बाद से ही संयुक्त राष्ट्र के अध्यक्ष भारत के डिजिटलाइजेशन मॉडल के मुरीद हो गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन महत्वपूर्ण है, यह लागत को कम करता है और अर्थव्यवस्थाओं को ज्यादा कुशल बनाता है, चीजों को सस्ता बनाता है। उन्होंने डिजिटलाइजेशन का उदाहरण दिया जिससे भारतीय महिलाओं और किसानों को देशभर में और दूर-दराज के स्थानों में बातचीत करने, बैंकों से निपटने और अपने घरों, खेतों या क्षेत्रों को छोड़ने के बिना भुगतान करने में मदद मिली।

मैं भारत के डिजिटलाइजेशन को देख हैरान- डेनिस फ्रांसिस

डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि यह सब भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत को स्पष्ट रूप से लाभ हुआ। फ्रांसिस ने यह भी बताया कि अपनी भारत यात्रा के दौरान वह देश की तकनीक और बुनियादी ढांचे के विकास में किए जा रहे निवेश से प्रभावित हुए।

एलेक्सा से बंदरों को भगाया, महिंद्रा ने जॉब ऑफर की

13 साल की बच्ची के लिए कहा- उसकी सोच एक्स्ट्राऑर्डिनरी, लीडरशिप के गुण

नई दिल्ली।
महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 13 साल की बच्ची को नौकरी की पेशकश की है। इस बच्ची ने 'एलेक्सा' की मदद लेकर खुद को और अपनी भतीजी को बंदर के हमले से बचाया था। आनंद महिंद्रा ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स के जरिए बच्ची की क्विक थिंकिंग की सराहना करते हुए जॉब ऑफर की है।

महिंद्रा ने बच्ची की क्विक थिंकिंग की सराहना की

आनंद महिंद्रा ने अपने एक्स पर लिखा, हमारे युग का पहला सवाल यही है कि क्या हम टेक्नोलॉजी के गुलाम हो जाते हैं या फिर उसका सही इस्तेमाल कर पाते हैं। इस बच्ची की कहानी एक सुकून देती है कि टेक्नोलॉजी हमेशा ह्यूमन टैलेंट को बढ़ावा देने वाली रहेगी। बच्ची की त्वरित सोच असाधारण थी। उसने दिखा दिया कि आज की अचानक बदलती हुई दुनिया में उसमें गजब की लीडरशिप क्षमता है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद यदि वह कॉरपोरेट वर्ल्ड में आना

चाहती है तो मैं उम्मीद करता हूं कि में हम उसे हमारे साथ जुड़ने के लिए मना पाएंगे।

कमरे में घुस आए थे बंदर,

उत्तर प्रदेश के बस्ती में आवास विकास कॉलोनी में शिप्रा ओझा की छोटी बहन निकिता ने 15 महीने की भतीजी वमिका को बचाया था। निकिता और वामिका शुक्रवार को घर में सोफे पर खेल रही थीं। निकिता ने बताया, घर पर गेस्ट आए थे, जिनके जाने के बाद मेन गेट खुला छूट गया था। उसी समय बंदरों का झुंड अंदर घुस आया। मैंने बंदरों को भगाना चाहा, तो वो मेरी तरफ दौड़ पड़े। मैं वामिका की जान बचाने के लिए उसे लेकर चिल्लाते हुए भागी।

तभी मेरी नजर फ्रिज पर रखे एलेक्सा डिवाइस पर पड़ी। मैंने तुरंत कहा- एलेक्सा कुत्ते के भौंकने वाली आवाज निकालो। वॉइस कमांड पाते ही एलेक्सा कुत्ते की तरह तेज आवाज करने लगा। जिसे सुनकर बंदर डर गए और बालकनी से होते हुए छत की तरफ भाग गए। हम लोगों की जान बच गई।

एलेक्सा क्या है

एलेक्सा अमेजन का डिजिटल वॉइस असिस्टेंट है। एलेक्सा आपके सवालों के जवाब के अलावा स्मार्ट-होम कंट्रोल गैजेट्स को भी कंट्रोल करती है। जैसे दरवाजा बंद करने और कमरे की रोशनी कम करने जैसे काम हैं। इसके अलावा आप एलेक्सा को बोल कर अपना मन पसंद गाना, कविता या किसी जानवर की आवाज भी निकलवा सकते है।

फोल्डेबल ई-बाइक बनाने वाले स्टार्टअप में किया था निवेश

आनंद महिंद्रा नई सोच और इनोवेशन को काफी सपोर्ट करते हैं। उन्होंने बीते साल ने फोल्डेबल ई-बाइक बनाने वाले स्टार्टअप में निवेश किया। आनंद महिंद्रा ने बताया था कि उन्होंने ऑफिस परिसर में घूमने के लिए फोल्डेबल ई-बाइक हॉर्नबैक खरीदा है। साथ ही उन्होंने लिखा,फुल डिस्कोजरः मैंने स्टार्टअप में निवेश किया है।

टी20 विश्वकप से पहले फिटनेस हासिल करने सेना के साथ अभ्यास कर रही पाक टीम

प्रशंसकों ने पूछा विश्वकप खेलने जा रहे हैं या जंग लड़ने

लाहौर ।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने टीम को फिट बनाने के लिए एक अजीबोगरीब कदम उठाया है। पीसीबी ने आगामी टी20 विश्वकप कप 2024 को देखते हुए अपनी टीम को फिटनेस हासिल करने के लिए सेना के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए भेजा है। सेना के साथ खिलाड़ियों के अभ्यास का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें ये सभी खिलाड़ी अलग अलग टास्क को पूरा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान टीम का ट्रेनिंग कैंप काकूल में आर्मी स्कूल में दो सप्ताह के लिए लगा है। इसका कारण है कि पीसीबी टी20 विश्वकप से पहले अपने सभी खिलाड़ियों को फिट और उर्जावान रखना चाहती है जिससे खिलाड़ी आईसीसी के इस मेगा टूर्नामेंट में अपना सौ फीसदी दे सकें। पाकिस्तानी खिलाड़ी जिस तरह से अभ्यास कर रहे हैं। उससे ऐसा लग रहा है कि खिलाड़ियों को किसी जंग की तैयारी कराई जा रही है। वहीं लोग भी पाक खिलाड़ियों के इस खास प्रशिक्षण का मजाक उड़ाने में लगे हैं। पाक टीम के खिलाड़ियों का जो वीडियो वायरल हो रहा हैं उसमें वे स्नाइपर राइफल के साथ निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं। कभी कमांडो की तरह वो रस्सी के साथ नीचे फिसलते हुए दिखाई दे रहे हैं तो कभी भारी भरकम पत्थर लेकर पहाड़ पर चढ़ रहे हैं। साथ ही साथ वह सैनिकों की तरह अपने कंधों पर साथियों को उठाकर दौड़ते हुए नजर आ रहे हैं। पाक खिलाड़ियों के इन वीडियों को देखकर एक व्यक्ति ने लिखा, ' ये विश्व कप खेलने जा रहे हैं या अमेरिका पर हमला करने।' दूसरे ने लिखा, ' प्रशिक्षण तो किसी और ही काम की लग रही है।' इससे पहले पाक क्रिकेट बोर्ड के नए चेयरमैन मोहसिन नकवी ने इन क्रिकेटरों को आर्मी के साथ मार्च और अप्रैल में अभ्यास करने के निर्देश दिए थे। यह फिटनेस कैंप पाक खिलाड़ियों के लिए कितना फायदेमंद होता है ये, तो समय ही बताएगा पर इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंका भी बढ़ गई है। पीसीबी के नए प्रमुख ने पीएसएल 2024 से पहले भी खिलाड़ियों को 10 दिन तक प्रशिक्षण देने को कहा था।

न्यूज ब्रीफ

कोलिन्स ने सकारी को हराया, कसात्किना के साथ होगी खिताबी टक्कर

चार्ल्सटन । डेनिएल कोलिन्स का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और गैर वरीय अमेरिकी ने नंबर 3 सीड ग्रीक खिलाड़ी मारिया सकारी को 6-3, 6-3 से हराकर चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। 30 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने अपने पिछले 11 मैच लगातार जीतकर सकारी के खिलाफ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उसने दूसरे मैच की शुरुआत से ही विजयी फॉर्म को बरकरार रखा और नंबर 3-वरीयता प्राप्त ग्रीक के खिलाफ शुरुआती ब्रेक की बढ़त हासिल की। हालाँकि सकारी पांचवें गेम में कोलिन्स की सर्विस तोड़कर बराबरी हासिल करने में सफल रही, लेकिन वह आक्रामकता और रक्षा का सही संतुलन नहीं बना पाई, और अमेरिकी खिलाड़ी से पिछड़ गई। दूसरा सेट भी पहले जैसा ही था, जिसमें घरेलू पसंदीदा कोलिन्स ने एक और शुरुआती बढ़त हासिल करने के लिए लगातार ताकत से गेंद पर प्रहार किया। सकारी ने सेट के बीच में ब्रेक पॉइंट की ओर बढ़त बनाई - लेकिन एक बार फिर, कोलिन्स को बड़ी सर्विस मिली जब यह सबसे ज्यादा मायने रखती थी। छठे गेम में मुश्किल जीत हासिल करने के बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने कभी भी मैच में पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक घंटे और 25 मिनट के बाद, कोलिन्स ने नंबर 4 वरीयता प्राप्त डारिया कसात्किना के साथ मुकाबला तय किया, जिसने दिन की शुरुआत में तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में जेसिका पेगुला पर जीत हासिल की।

शेल्टन और टियाफो ह्यूस्टन फाइनल में भिड़ेंगे

ह्यूस्टन । अमेरिका के बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो ने अपने-अपने सेमीफाइनल में जीत हासिल कर अमेरिकी पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में आल-अमेरिकी फाइनल में जगह बनाई। नंबर 1 सीड शेल्टन ने नंबर 4 सीड टॉमस मार्टिन एटचेवरी पर 2 घंटे और 29 मिनट में 6-7(4-7), 6-4, 6-4 से तीन सेटों में जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ी अपनी बेहतरीन पहली सर्विस के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वह शेल्टन ही थे जिन्होंने शनिवार की रात ब्रेक के मौकों का फायदा उठाया। सात एस लगाने और अपनी पहली सर्व में 84 फीसदी अंक जीतने के अलावा, वह एटचेवरी की सर्विस पर चार में से तीन ब्रेक पॉइंट को बदलने में सफल रहे। शनिवार की तीन सेट की जीत के साथ, शेल्टन इस साल बेस्ट-ऑफ़-3 प्रारूप में तीन-सेट मैचों में 7-2 से बेहतर हो गए हैं। शनिवार की जीत 21 वर्षीय अमेरिकी के लिए करियर में कुछ मील के पत्थर हैं - यह उनका दूसरा एटीपी टूर फाइनल है जिससे उनके करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 15 पर वापसी होगी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में टियाफो ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 7-6 (7-2) से हराया। यह जीत रिवर ओक्स में टियाफो की लगातार सातवीं जीत है, जहां अब उनका जीवनकाल रिकॉर्ड 10-4 (71 प्रतिशत) है। यह पहली बार है जब उन्होंने पिछले सितंबर 2023 यूएस ओपन के बाद से लगातार तीन मैच जीते हैं, जहां वह आर्थर ऐश स्टेडियम में फ्लड लाइट्स में चार सेट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन से हार गए थे।

मयंक को अभी टेस्ट में उतारना सही नहीं : वाटसन

कोलकाता । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन वाटसन के अनुसार युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने इंडियन

प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है पर अभी इस गेंदबाज को टेस्ट क्रिकेट में लाना सही नहीं होगा। वाटसन के अनुसार इससे मयंक पर दबाव पड़ सकता है। मयंक ने शुरुआती दो मैच में अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी थी। वाटसन ने कहा कि मयंक यादव के बारे में काफी बातें हो रही है जिनकी रफ्तार विश्व स्तरीय है और उन्होंने विश्व स्तरीय कौशल भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ प्रदर्शन करना और उन पर दबदबा बनाना बहुत अच्छा है पर अभी उसे टेस्ट में लाना जल्दबाजी होगी। वाटसन ने कहा कि निश्चित रूप से आप उसे टेस्ट क्रिकेट में शामिल करना चाहेंगे पर बतौर तेज गेंदबाज यह आपके शरीर पर कितना चुनौतीपूर्ण होगा, यह जानना और आपके शरीर को इसके अनुरूप ढालना तथा सपाट पिच पर एक टेस्ट मैच में एक दिन में इतनी रफ्तार से 15 से 20 ओवर डालने का दबाव झेलना होगा।

चेन्नई सुपरकिंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला आज

चेन्नई ।
चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम यहां अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य इस मैच में घरेलू हालातों का लाभ उठाकर जीत दर्ज करना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि पिछले दो मैचों में लगातार मिली हार से टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसके अलावा केकेआर की टीम इस बार जबरदस्त फार्म में है और लगातार जीतती आ रही है। सीएसके को अगर ये मैच जीतना है तो उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम के नये कप्तान कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और रचिन रविंद्र को अधिक से अधिक रन बनाने के साथ ही पावर प्ले में अच्छी शुरुआत दिलानी होगी।

गायकवाड़ 118.91 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि रविंद्र पिछले दो मैचों में विफल रहे हैं। अब तक इस टूर्नामेंट में शिवम दुबे ने अच्छी बल्लेबाजी की है और उनसे इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। शिवम ने 160.86 के स्ट्राइक रेट से 148 रन बनाए हैं। युवा समीर रिज्वी को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये भी देखना होगा। समीर ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ छह गेंद में 14 रनबनाए थे पर इसके बाद अगले मैच में वह विफल रहे थे और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

वहीं टीम को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और मथीसा पथिराना के नहीं होने से भी नुकसान होगा। ये दोनो ही अलग-अलग कारणों से टीम के पिछले मैच में नहीं खेल पाए जिससे सुपरकिंग्स की गेंदबाजी कमजोर हुई है। इन दोनो के बाहर रहने पर दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुकेश चौधरी पर तेज गेंदबाजी की जिम्मेदार रहेगी जबकि स्पिन की कमान मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्षणा के पास होगी। केकेआर ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके लिए पारी की शुरुआत करते हुए अब तक सुनील नारायण ने धमाके दार प्रदर्शन किया है जिसे रोकना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा।

वहीं फिल सॉल्ट से नारायण को अच्छा साथ मिला है। उसके पास मध्य क्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर और रमनदीप सिंह है पर ये अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह ने अब तक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। हर्षित राणा, रसेल और वैभव अरोड़ा ने गेंदबाजी में केकेआर की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। सबसे महंगे तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब लय में आ रहे हैं। इसके अलावा स्पिनर वरूण चक्रवर्ती भी अब अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो अब तक के प्रदर्शन के आधार पर केकेआर का पलड़ा भारी नजर आता है।

मैदान की बात करें तो यहां चेपॉक की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए बराबर रहती है यह आमतौर पर सूखी रहती है जिससे स्पिनरों को सहायता भी मिलती है। बाद में पिच धीमी हो जाती है, जिससे दूसरी पारी में बल्लेबाजी मुश्किली हो जाती है।

इस मैदान पर ज्यादा विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए हैं। अब तक तेज गेंदबाजों ने 516 विकेट लिए हैं जबकि स्पिनरों ने 336 विकेट लिए हैं। पहली पारी का औसत स्कोर 164 रन रहा है। वहीं मौसम साफ रहने के उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

चेन्नई सुपरकिंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

कोलकाता नाइट राइडर्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

आरसीबी को विल जैक्स पर गंभीरता से विचार करना होगा : टॉम मूडी

जयपुर।
आईपीएल 2024 के अपने पांच मैचों में चार हार के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार से उनके विदेशी बल्लेबाजों की असफलता का पता चलता है, सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आरसीबी थिंक-टैंक से इस मोर्चे पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी विल जैक्स को प्लेइंग-11 में शामिल करने के बारे में विचार करने को कहा है।

आईपीएल 2024 में अब तक कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 109 रन बनाए हैं। ग्लेन मैक्सवेल ने सिर्फ 32 रन बनाए हैं, जबकि नीलामी से पहले बड़े खिलाड़ी कैमरून ग्रीन ने 68 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर, जैक्स का पावरप्ले स्ट्राइक रेट 164.21 उन बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है, जिन्होंने टी20 में कम से कम 1,000 गेंदों का सामना किया है और बीच के ओवरों में उनका स्ट्राइक-रेट भी 146 है।

मूडी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के टी20 टाइम-आउट शो पर कहा, आरसीबी को विल जैक्स पर गंभीरता से विचार करना होगा। वे उन्हें कैसे फिट करते हैं, इस पर चर्चा होनी चाहिए। मैं उन्हें फाफ के स्थान पर आते हुए नहीं देख सकता। मेरे लिए, मैक्सवेल और ग्रीन दोनों दबाव में हैं।

इस साल फरवरी में जैक्स ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) मैच में चटगांव

चैलेंजर्स के खिलाफ कोमिला विक्टोरियंस को 239 रन बनाने में मदद करने के लिए 53 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। लेकिन बहुत देर होने से पहले अपने आईपीएल अभियान को पुनर्जीवित करने के लिए टीम की बढ़ती मांग के बीच, जैक्स आरसीबी प्लेइंग-11 में किसे प्रतिस्थापित करता है, यह एक बड़ा सवाल है।

आपकी टीम में संभावित संसाधन नहीं हो सकते हैं और आप ट्रिगर नहीं दबा सकते हैं, खासकर तब जब आप उस स्थिति में हों जिसमें आप अभी हैं। यदि आप अभी ऐसा नहीं करेंगे, तो कब करेंगे आपका सीजन पहले ही जा चुका है। मैं फाफ और विराट को ओपनिंग करने और विल जैक्स को नंबर 3 पर रखने का समर्थन करूंगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2024 सीजन में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी।

पहले पाकिस्तान से हुआ बेदखल, अब यूएई ने लगाया पांच साल का बैन; खतरे में पड़ा इस स्टार खिलाड़ी का क्रिकेट करियर

नई दिल्ली।
अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के उस्मान खान पर बोर्ड के प्रति दायित्वों का उल्लंघन करने के लिए पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें (इंटरनेशनल लीग टी20), अबू धाबी टी10 जैसे टूर्नामेंटों में भाग लेने से रोक दिया गया है। उस्मान खान को बोर्ड द्वारा स्वीकृत कोई अन्य टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने उस्मान पर यूएई टीम के लिए खेलने के अपने फैसले के बारे में अपने इरादों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने खुलासा किया कि उसने एक विस्तृत जांच की और निष्कर्ष निकाला कि उस्मान यूएई का प्रतिनिधित्व करने के लिए पात्रता मानदंड को पूरा करने में सफल नहीं हुए। अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने लगाया यह आरोप बोर्ड ने एक बयान में कहा, विस्तृत जांच के बाद, उस्मान को यूएई टीम के लिए खेलने के अपने फैसले के बारे में ईसीबी को गलत तरीके से प्रस्तुत करना पाया गया और उसने अन्य संभावनाओं की तलाश के लिए ईसीबी द्वारा प्रदान किए गए अवसरों और विकास का उपयोग किया और यह स्पष्ट था कि वह अब नहीं है। वह ईसीबी के लिए खेलना चाहता है और न ही पात्रता मानदंडों को पूरा करना चाहता है, जिसे पूरा करना उसका दायित्व है। पीएसएल में मचाया था धमाल बता दें कि उस्मान खान ने इस साल की शुरुआत में यूएई में एक स्थानीय खिलाड़ी के रूप में एक साल के लिए ईसीबी के साथ अनुबंध किया था। साथ ही वह ईसीबी द्वारा अयोजित अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 के दूसरे सीजन में हिस्सा लिया था। गौरतलब हो कि उस्मान ने हाल ही में मुल्तान सुल्तांस के लिए खेलते हुए पीएसएल में धमाल मचाया था।

टी20 विश्वकप में रोहित, विराट के पास नये रिकार्ड बनाने का अवसर

मुम्बई ।
टी20 विश्वकप में कई रिकार्ड अब भी कायम हैं। ऐसे में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के पास इनको तोड़ने का अच्छा अवसर है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रुप से होगा। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा पर सभी की नजरें होंगी।

टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 27 मैचों में सबसे ज्यादा 1141 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने 1016 दूसरे वहीं क्रिस गेल 965 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसमें रोहित ओर विराट के बीच मुकाबला है। रोहित ने 39 मैचों में 963 रन बनाए हैं। वह इस प्रकार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे नंबर पर हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक 10 बल्लेबाजों ने शतक लगाये हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 2 शतक हैं। आगामी विश्व कप में कौन खिलाड़ी शतक जड़ता है या गेल को रिकॉर्ड कौन तोड़ता है, इसपर सबकी नजरें रहेंगी। विराट कोहली के नाम टी20

विश्व कप में सर्वाधिक बार 50 रन से ज्यादा का रिकॉर्ड है। कोहली ने 14 सबसे अधिक 14 अर्धशतक लगोय हैं जबकि रोहित शर्मा 9 अर्धशतक के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। गेल 7 अर्धशतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। विराट टी20 विश्व कप के एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने बांग्लादेश में आयोजित 2013-14 टी20 विश्व कप में 6 मैचों में 319 रन बनाए जो किसी एक सत्र का सर्वाधिक स्कोर है. दिलशान 317 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दिलशान ने 2009 टी20 विश्व कप में 7 मैचों में ये आंकड़ा हासिल किया था। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में टॉप पर हैं। शाकिब ने 36 मैचों में 47 विकेट अपने नाम किए हैं। शाहिद अफरीदी 39 विकेट और लसिथ मलिंगा 38 विकेट के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही टेस्ट में फेल हुई भारतीय टीम, करारी शिकस्त का किया सामना

पर्थ।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम से उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देगी, लेकिन यहां पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में ही टीम को 1-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होने से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा।

भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से टाम विकम (20वें, 38वें मिनट) ने दो गोल दागे, जबकि टिम ब्रांड (तीसरे), जोएल रिंटाला (37वें) और फ्लिन ओगिलवी (57वें) ने एक-एक गोल किया।

भारत के लिए एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने 47वें मिनट में किया।ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होते ही अपने इरादे जता दिए थे और उसने तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। ब्रांड को लंबा पास मिला और उन्होंने भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को छकाकर गोल दाग दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद भी भारतीय रक्षा पंक्ति को दबाव में रखा। उसने आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन इस बार श्रीजेश ने अच्छा बचाव किया।

ऑस्ट्रेलिया को इसके एक मिनट बाद दूसरा पेनल्टी

कार्नर मिला, लेकिन इस बार भी श्रीजेश ने रिंटाला के शॉट को रोक दिया। भारतीय रक्षा पंक्ति की गलती के कारण ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अपनी बढ़त 2-0 कर दी और मध्यांतर तक इसे बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखा।

तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में रिंटाला ने काइ विलोट के रिवर्स हिट को डिफलेक्ट करके गोल किया। इसके तुरंत बाद विकम ने दाएं कार्नर से करारा शॉट लगाकर अपना दूसरा और ऑस्ट्रेलिया की ओर से चौथा गोल किया। चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीयों ने कुछ तत्परता दिखाई, लेकिन वह मौके बनाने में नाकाम रहे। तीसरे क्वार्टर में भारत दो बार गोल करने की स्थिति में पहुंचा था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर एंड्रयू चार्टर ने आसानी से उसके प्रयासों को विफल कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन वह इसका लाभ नहीं उठा पाया। भारत में इसके तुरंत बाद जवाबी हमला किया और मोहम्मद रहील के पास पर गुरजंत गोल करने में सफल रहे। इसके बाद भारत ने कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति में सेंध नहीं लगा सके। ऑस्ट्रेलिया ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे ओगिलवी ने गोल में बदला। इन दोनों टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

गर्मियों में ठंडक पाना है तो ये फल खाइए

गर्मियों के मौसम में आपके शरीर को पानी की बहुत जरूरत होती है। पानी की कमी से कई तरह के रोग हो सकते हैं। गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीने के अलावा आपको मौसमी फलों को भी अपने डायट चार्ट में शामिल करना चाहिए। इन मौसमी फलों के सेवन से आप गर्मी में भी कूल कूल महसूस करेंगे। गर्मियों में मिलने वाले फल आम, तरबूज, खरबूज, बेल व मौसमी आपको अंदर से फिट रखते हैं। आमतौर पर गर्मी के मौसम में लोग ज्यादा खाना नहीं खा पातें हैं। ऐसे में आप फलों का सेवन आसानी से कर सकते हैं।

गर्मियों में तरबूज का सेवन बहुत फायदेमंद है लेकिन तरबूज खाने के साथ पानी न पिएं। दोपहर के वक्त तरबूज खाना और भी अच्छा होता है योंकि उस वक्त तक शरीर को पानी की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में तरबूज शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है।

गर्मियों में लू लगने पर बेल का शरबत पीने से आराम मिलता है और शरीर की गर्मी भी दूर होती है। गर्मियां आते ही बेल व बेल शरबत हर जगह मिलना शुरु हो जाता है। बेल शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा यह पेट की समस्याओं में भी आराम पहुंचाता है।

आम फलों का राजा माना जाता है। गर्मी का मौसम आते ही मन में आम का खयाल आने लगता है। आम न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा माना जाता है। आम को दूध में मिलाकर मिल्क शेक भी पी सकते हैं जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है। लेकिन ज्यादा आम खाना नुकसानदेह भी हो सकता है।

गर्मियों में लीची खाने से आपके शरीर को विटामिन ए, सी एवं पानी भरपूर मात्रा में मिलता है। लीची में एंटीओसीडेंट्स होता है जो आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके अलावा त्वचा के लिए भी लाभदायक होती है।

गर्मी के मौसम के लिए खरबूज सबसे अच्छे फलों में से एक माना जाता है। आप खाने के साथ भी खरबूज का मजा ले सकते हैं या थोड़ी देर बाद भी खा सकते हैं। लेकिन ध्यान रहें खरबूज के साथ पानी नहीं पीएं।

डी-हाइड्रेशन होने पर अंगूर से काफी मदद मिलती है। अंगूर फेफड़ों की सेहत के लिए बहुत अच्छे होते हैं। लो बीपी या लो शुगर वालों को इन्हें खाना चाहिए। खाने और अंगूर खाने के बीच कुछ फासला रखें।

सौंदर्य

ब्लैकहेड्स से ऐसे पाएं छुटकारा

ब्लैकहेड्स की दिक्कत से गर्ल्स अक्सर परेशान रहती हैं। यह परेशानी आपके चेहरे की रंगत को कम करती है, साथ ही अगर वक्त रहते इन्हें क्लीन न करें तो ये पिंपल का कारण भी बन जाते हैं। जानें, छुटकारा पाने के आसान और तरीके।

बेकिंग सोडा–ऐक्ने की समस्या से मुक्ति दिलाने के साथ ही बेकिंग सोडा ब्लैकहेड्स हटाने में भी बेहद कारगर है। इसके लिए एक टेबलस्पून बेकिंग सोडा को 2 टेबलस्पून पानी में मिक्स कर लें। तैयार पेस्ट को 20 मिनट के लिए चेहरे पर, खासतौर पर ब्लैकहेड्स वाली जगहों पर लगा लें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। बेकिंग सोडा नैचुरल एक्सफोलिएटर और ऐंटीबैक्टिरियल है।

दालचीनी पाउडर – दालचीनी पाउडर लगाने से न केवल ब्लैकहेड्स को साफ किया जा सकता है बल्कि इन्हें चेहरे पर आने से भी रोका जा सकता है। एक टेबलस्पून दालचीनी पाउडर में इतना ही नींबू का रस मिलाएं। चाहें तो इसमें 1 चुटकी हल्दी भी मिला सकती हैं। तैयार पेस्ट को 10 से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। दालचीनी पोर्स को टाइट करती है और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है। नींबू के जूस में ऐंटीबैक्टिरियल एलिमेंट्स होते हैं, जो ऐक्ने की समस्या को दूर करता है। इस पेस्ट को लगाकर बल्कि वाइटहेड्स और ऐक्ने से भी छुटकारा मिलता है।

फेशल हेयर से परेशान ? नींबू है इनका समाधान

चेहरे पर उग आए नन्हे बाल आपके चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करते हैं। अगर आप इन फेशल हेयर से छुटकारा पाना चाहती हैं, तो जरूरी नहीं कि पार्लर की ही शरण में जाया जाए। आप अपनी किचन में भी इस समस्या का समाधान खोज सकती हैं...

चीनी और नींबू : ये दोनों ही चीजें आपकी रसोई में मिल जाएंगी। दो टेबलस्पून शुगर और नींबू के रस में 8 से 9 टेबलस्पून पानी मिला लें। इस पानी को उबालें। जब इसमें बुलबुले उठने लगें तो गैस बंद कर दें और मिक्सचर को ठंडा होने दें।

ठंडा होने पर इस मिश्रण को चेहरे के उन भागों पर लगाएं जहां बाल उग आए हैं। इसे लगाकर 20 से 25 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथों से रगड़ते हुए इसे ठंडे पाने से धो लें।

नींबू और शहद : शहद भी घर की रसोई का अहम हिस्सा है। दो टेबलस्पून शुगर में लेमन जूस और एक टेबलस्पून शहद मिलाएं। इस मिक्सचर को 3 मिनट के लिए हल्की आंच पर पकाएं। जरूरत लगे तो इसमें थोड़ा-सा पानी मिक्स कर सकती हैं। अब गैस बंद कर दें।

मिक्सचर ठंडा होने पर जरूरी जगहों पर लगाएं। इसे लगाते वक्त इस बात का खास ध्यान रखें कि इसे बालों की ग्रोथ की दिशा में फैलाते हुए लगाएं। अब इस पेस्ट पर वेक्स स्ट्रिप या कॉटन का कपड़ा रखकर बालों की ग्रोथ की अपॉजिट डायरेक्शन में खींचते हुए हटा दें। (जैसे वैक्स करते हैं।) शहद आपकी त्वचा को नमी देता और इसका ग्लो बढ़ाता है। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो यह उपाय आपके लिए बेस्ट रहेगा।

वास्तु

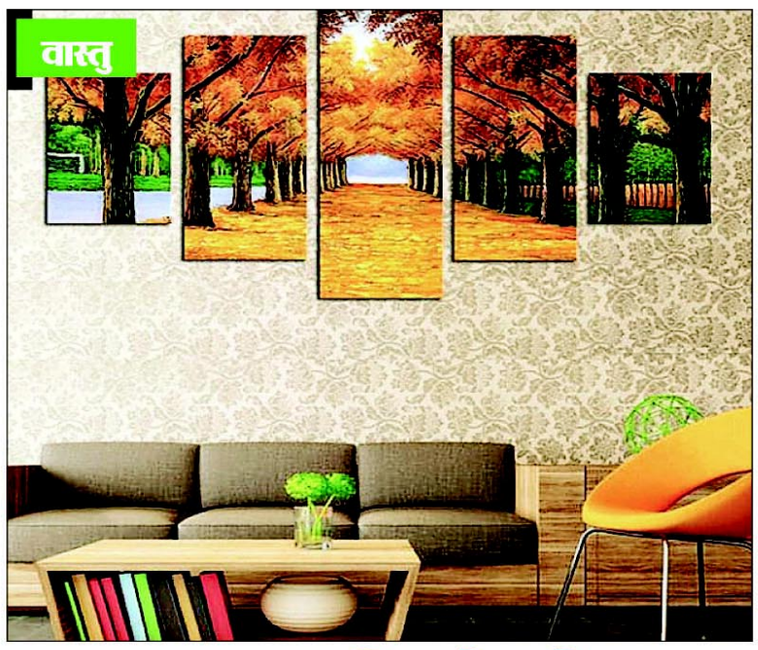

इन चीजों से न सजाएं अपना प्यारा सा घर

घर को सजाने के लिए हम लोग अक्सर उन चीजों को ही खरीदते हैं जो हमें देखने में अच्छी लगती हैं। तस्वीरें,मूर्तियां या फिर इसके अलावा और भी बहुत सी चीजें हैं जिनको हम डैकोरेशन के लिए इस्तेमाल करते हैं लेकिन हर सामान का अपना मतलब होता है। जिनको घर मे रखने से नैगेटिव एनर्जी आती है और परिवार में भी परेशानी आनी शुरू हो जाती है। इनको घर में न रखने में ही भलाई है।

ताज महल

सफेद संगमरमर के बने छोटे-छोटे ताजमहल देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं। कुछ लोग तो इनसे घर सजाते हैं लेकिन इनको घर में रखने से नाकारात्मक ऊर्जा आती है।

नटराज की मूर्ति

यह मूर्ति ज्यादातर डांसर रखते हैं लेकिन ऐसी मूर्ति को अपने घर पर रखने से बचना चाहिए।

पानी का फुव्वारा

आपने घर में पानी का फुव्वारा या इससे मिलती-जुलती कोई तस्वीर लगा रखी है तो इसे हटा दें। वास्तु के अनुसार इससे पैसे में कमी आती है।

जंगली जानवर

कुछ लोग घर में हाथी,घोड़े या फिर जंगली जानवरों की मूर्तियां रखते हैं। इससे परिवार के सदस्यों का मानसिकता पर बुरा असर पड़ता है।

सौंदर्य

त्वचा पर उम्र का असर बेअसर करता है कच्चा दूध

दूध सेहत के लिए फायदेमंद है, यह किसी से छिपा नहीं है। लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि दूध को पीने से सेहत को जितना फायदा होता है, दूध स्किन पर लगाने से भी उतना ही फायदा होता है। यह त्वचा पर उभर रहे उम्र के प्रभाव को कम करता है। साथ ही आपको लंबे समय तक जवां दिखाने में भी दूध मददगार है। हां, स्किन पर कच्चा दूध लगाना ज्यादा असरकारक होता है। जानिए, किन तरीकों से कच्चा दूध आप स्किन पर लगा सकते हैं।

टोनर

कच्चा दूध बेहद कारगर टोनर है। दो टेबलस्पून कच्चा दूध एक कटोरी में लेकर इसे कॉटन की मदद से चेहरे और गर्दन पर लगाएं। कुछ दिन ऐसा करने के बाद आप खुद फर्क महसूस करेंगी।

बेहतरीन प्रॉटेक्टर

दो टेबलस्पून स्पून दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाएं। तैयार मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 10 मिनट बाद धो दें। यह आपकी त्वचा को हानिकारक बैटीरिया से बचाता और त्वचा का डार्कनेस को कम करने में मददगार है। खासतौर पर, जब धूप या धूल भरी हवाओं से आएं, तब इसे जरूर लगाएं।

एक्ने की दिक्कत कम करता है

अगर आपको ऐने की समस्या है तो कच्चा दूध आपके लिए कारकर इलाज साबित हो सकता है। इसे टोनर या पेस्ट के रूप में त्वचा पर लगाएं।

फेसमास्क

जिस भी फेसमास्क में आप कच्चा दूध मिला लेती हैं, उसकी खबियां कई गुना बढ़ जाती हैं। मसलन,आप एग फेसपैक लगाती हैं तो अंडे की सफेदी में दूध मिलाएं। इसका फेसपैक बनाकर लगाएं। स्किन टाइट भी होगी और फेयर भी।

उम्र का असर बेअसर

कच्चा दूध प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन श्रोत है। शहद त्वचा को नमी देता है और कसावट लाता है। इन्हें मिलाकर लगाने से त्वचा जवां बनती हैं। रिंकल्स और त्वचा पर आए दाग-धेबों की समस्या में लाभ मिलता है।

सफेद दाग दूर करे

समाज में अभिशाप की तरह देखे जाने वाले सफेद दाग की समस्या को साधारण और आसान घरेलू उपायों से भी दूर किया जा सकता है। सफेद दाग एक तरह का त्वचा रोग है जो किसी एलर्जी या त्वचा की समस्या के कारण होता है। कई बार ये आनुवांशिक भी होता है। दुनिया के दो प्रतिशत लोग इस समस्या से ग्रस्त हैं और भारत में चार प्रतिशत तक लोग इस समस्या से पीड़ित हैं। इसे ठीक करने के लिए काफी धैर्य की जरूरत है। नीम का उपयोग

नीम की पत्तियां और फल कई प्रकार के रोगों के लिए फलदायक है। नीम के पत्ती को पीसकर उसका पेस्ट बनाये और उसे दाग वाले जगह में एक महीने तक रोज लगायें। साथ ही नीम के फल को रोज़ खायें और नीम के पत्तों का जूस पिएं। इससे खून साफ होगा और सफेद दाग के साथ त्वचा की सारे रोग खत्म हो जाएंगे।

शरीर शुद्ध रखें

कई बार लोग मल-मूत्र को रोक कर रखते हैं। जो कि बहुत गलत है। इससे शरीर के अंदर अपशिष्ट पदार्थों का जमावड़ा बन जाता है जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए हमेशा शरीर के विषैले तत्व को बाहर निकालें और शरीर को शुद्ध रखें। फायदेमंद बथुआ

ज्यादा से ज्यादा अपने खाने में बथुआ शामिल करें। रोज बथुआ उबाल कर उसके पानी से शरीर के सफेद दाग को धोयें। कच्चे बथुआ का रस दो कप निकाल कर, उसमें आधा कप तिल का तेल मिलाकर धीमी आंच पर पकायें। जब केवल तेल रह जाये तो उसे उतार ले। अब इसे रोज दाग में लगायें।

अखरोट खाएं

अखरोट सफेद दाग में काफी फायदेमंद है। अखरोट रोज खायें। यह सफेद पड़ चुकी त्वचा को काली करने में मदद करेगी।

अदरक

रोजाना अदरक का जूस पीएं और अदरक के एक टुकड़े को खाली पेट चबाएं। साथ ही अदरक को पीसकर सफेद त्वचा पर लगाएं।

इन घरेलू उपायों के साथ ही कई खाने की चीजों से परहेज भी करना चाहिए जिससे सफेद दाग की समस्या बढ़े ना। मिठाई, रबड़ी, दूध व दही का एक साथ सेवन न करें। साथ ही दूध की किसी चीज के साथ मछली ना खाएं।

खूबसूरती ही नहीं

स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है चूड़ी पहनना

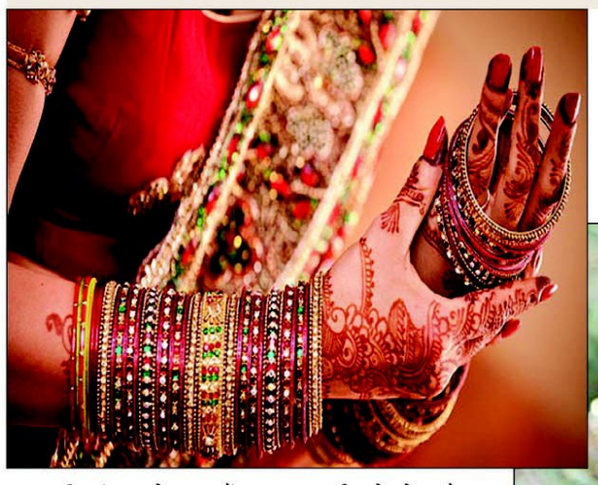

चूडियां पहनने का शौंक हर लड़की को होता है। हमारे देश में तो इनको सुहाग की निशानी माना जाता है। इसके अलावा यह फैशन का भी एक हिस्सा है। आजकल तो बाजार में अलग-अलग तरह की चूडियों की वैरायटी आसानी से मिल जाती हैं। लोग इनको अपने आउटफिट्स के साथ मैच करके पहनते हैं। चूडियां औरतों के हाथों की खूबसूरती को तो बढ़ाती हैं लेकिन शायद कुछ लोग यह नहीं जानते होंगे कि कलाई में चूडियां पहनने से सेहत भी अच्छी रहती है। यह औरतों को ऊर्जा प्रदान करने में भी मददगार है।

» औरतों के शरीर में पुरूषों के मुकाबले हार्मोंस का उतार-चढाव ज्यादा होता है। चूड़ियां इन हार्मोंस को बैलेंस रखती हैं।

» चूडियां पहनने से बॉडी में खून का दौरा बेहतर हो जाता है और थकावट भी नहीं होती।

» यह मानसिक संतुलन को काबू में रखने में भी मददगार है। इसी वजह से अकेली औरतें एक साथ कई कामों को संभाल लेती हैं।

» चूडियां पहनने से सेहत अच्छी रहता है,जिससे औरतों को जल्दी थकावट भी नहीं होती।

जिंदगी बचा सकते हैं ये मोटिवेशनल डिजाइनर टैटूज

एक आर्टिस्ट ने कुछ ऐसे टेंपररी टैटूज तैयार किए हैं जो मानसिक स्वास्थ्य से लड़ने और खुद को नुकसान पहुंचाने से रोकने में लोगों की मदद करेगा। लंदन में रहने वाले फ्रांसिस्का टिम्बर ने साल 2015 में मोटिवेशनल टैटूज बनाने की शुरुआत की।

इनमें से ज्यादातर टैटूज प्लास्टर्स के डिजाइन में हैं, जिसके साथ 'लव योरसेल्फ', 'ब्रीद' और 'आई एम इनफ' जैसे मोटिवेशनल मेसेज उकेरे गए हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने अपने पैर, कलाई और शरीर के दूसरे अंगों पर लगाए गए इन टैटूज के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की हैं।

यह टेंपररी टैटू आपकी नेगेटिव इमेज को दूर करने में भी मददगार है। नॉर्मल टैटूज की बात करें तो इन्हें उकेरने वाली सूईयों को शरीर में गहरा चुभाया जाता है, जिससे मांसपेशियों तक को नुकसान होता है। साथ ही कई बीमारियों के होने का खतरा होता है। इस टेंपररी टैटू का मकसद आपको इस तरह के नुकसान से बचाना है।

2011 में की गई एक स्टडी में यह बात सामने आई कि ये टैटू आपकी भावनाओं को व्यक्त करने एक जरिया हो सकते हैं। यह एक सिम्बल है जिसके जरिए लोगों से कनेक्ट किया जा सकता है। इसका मकसद लोगों में आपके प्रति प्यार और सहयोग बढ़ाना है। जब भी आपका दोस्त या आपके परिवार का कोई सदस्य आपके इस टैटू को देखेगा, तब वह जान जाएगा कि आपको एक्स्ट्रा केयर और सपॉर्ट की जरूरत है।

रेसिपी

लैमन कर्ड ट्रिफल

सामग्री

- 5 अंडों का पीला भाग,
- 1/3 कप नींबू का रस
- 100 ग्राम मक्खन
- 1½ कप व्हीपिंग क्रीम
- 1/2 पीसी हुई चीनी
- 1 छोटा चम्मच वनीला एसेन्स
- 1 स्पंज केक
- 2 कप चैरी

विधि

1. एक बर्तन में अंडे का पीला हिस्सा, नींबू का रस डालें और अच्छे से फेंटे। 2. इसे धीमी आंच पर 10 मिनट के लिए पकाएं और हिलाते रहें जब तक इसका रंग गहरा पीला और मिक्सचर गाढ़ा न हो जाए। 3. गैस से उतारने के बाद धीरे-धीरे इसमें मक्खन मिलाते हुए हिलाएं। 4. ठंडा होने के बाद इसे दूसरे बर्तन में निकाल लें और फ्रिज में रख दें। 5. एक दूसरे कटोरे में व्हीपिंग क्रीम लें और उसमें पीसी चीनी और वनीला एसेन्स डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। 6. स्पंज केक के गोल-गोल छोटे टुकड़े काट लें। 7. सर्व करने के लिए एक शीशे के गिलास में केक का टुकड़ा रखें और उस पर एक चम्मच अंडे और नींबू से बना मिक्सचर, चैरी और सबसे ऊपर व्हीपिंग क्रीम डालें। इसी तरह दोबारा केक और मिक्सचर की लेयर बनाएं। इस ट्रिफल को ठंडा-ठंडा बच्चों को परोसें।

टेस्टी और रसीले आम का शरबत

सामग्री

- कितना बनेगा: 4-5 गिलास
- कितना समय लगेगा: 10 मिनट
- कितने दिन चलेगा: फ्रिज में रखने पर 15-20 दिन तक
- सामग्री:
- पके आम: 3-4
- नीबू: 1
- चीनी: 1/2 कप (100 ग्राम)

विधि

आम पना खट्टा-मीठा होता है लेकिन यह शरबत सिर्फ मीठा होता है। इसके लिए आम का पल्प निकाल लें। चीनी को किसी बर्तन में डालें। 1/2 कप से थोड़ा-सा ज्यादा पानी मिलाएं और उबलने रख दें। पहला उबाल आने के बाद 3-4 मिनट तेज गैस पर उबलने दें। इस तरह 1 तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी को ठंडा होने दें। फिर आम का पल्प और नीबू का रस इस चाशनी में मिलाएं और छान लें। किसी बोतल में भरकर फ्रिज में रखें। जब भी आपका मन करे, 1 हिस्सा कंसंट्रेटिड आम का शरबत और 6 गुना पानी मिलाएं और थोड़े-से आइस क्यूब्स मिलाएं और पिएं। आम का शर्बत तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**